

B.A Honours in Hindi CBCS (Semester-I)

प्रथम पत्र (First Paper)

COURSE TYPE : CC-1**COURSE CODE : BAHHINC101****हिंदी साहित्य का इतिहास(रीतिकाल तक)**

अंक विभाजन	
प्रश्न	अंक
5 लघ्वाकार	: 5x2=10
4 लघ्वाकार	: 4x5=20
1 बृहदाकार	: 1x10=10
पूर्णांक	: =40
आभ्यांतरिक मूल्यांकन	: =
10	

इकाई : एक

साहित्येतिहास लेखन की परंपरा |

काल विभाजन और नामकरण |

इकाई : दो


आदिकालीन काव्य : सामाजिक-सांस्कृतिक, राजनैतिक और साहित्यिक पृष्ठभूमि ।

आदिकालीन साहित्य : प्रमुख प्रवृत्तियाँ ।


सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य, जैन साहित्य, रासो काव्य, लौकिक काव्य ।

आदिकालीन गद्य : सामान्य परिचय ।

TO
librari
herevire


Prof. (Dr.) Vijay Kumar Bharty
Dean, Faculty of Arts
Kazi Nazrul University
Asansol - 713340, W.B.


Secretary
College Councils
Kazi Nazrul University
Asansol- 713340


Coordinator &
Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol - 713340

इकाई : तीन

भक्तिकाल : सामाजिक-सांस्कृतिक, राजनैतिक तथा साहित्यिक पृष्ठभूमि, प्रमुख निर्गुण कवि, प्रमुख सगुण कवि ।

भक्तिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ ।

भक्तिकालीन काव्य की विविध धाराएँ : निर्गुण काव्यधारा(संत काव्य, सूफी काव्य), सगुण काव्यधारा(रामभक्ति काव्य, कृष्णभक्ति काव्य) ।

इकाई : चार

रीतिकाल की सामाजिक-सांस्कृतिक, राजनैतिक और साहित्यिक पृष्ठभूमि ।

रीतिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ ।

रीतिकालीन काव्यधाराएँ : रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध एवं रीतिमुक्त ।

सहायक ग्रन्थ/सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. हिंदी साहित्य का इतिहास-रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
2. हिंदी साहित्य : उद्भव और विकास-आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
3. हिंदी साहित्य की भूमिका- आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
4. हिंदी साहित्य का आदिकाल- आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली हिंदी
5. इतिहास और आलोचक दृष्टि- रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
6. हिंदी साहित्य का आधा इतिहास -सुमन राजे, भारतीय ज्ञानपीठ, नयी दिल्ली
7. साहित्येतिहास : संरचना और स्वरूप-सुमन राजे, ग्रंथम प्रकाशन, कानपुर
8. हिंदी साहित्य का इतिहास-सं० डॉ० नगेन्द्र, मयूर पेपर बुक्स, नोएडा
9. रीतिकाव्य की भूमिका -डॉ० नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली
10. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास -बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
11. हिंदी साहित्य का इतिहास- विजेंद्र स्नातक, साहित्य अकादेमी, नयी दिल्ली

[Handwritten Signature]
 Coordinator &
 Assistant
 Depn
 Kazi
 Hindi
 University
 713340

12. साहित्य और इतिहास दृष्टि-मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
13. हिंदी साहित्य का इतिहास-विश्वनाथ त्रिपाठी, एन०सी०इ०आर०टी०. नयी दिल्ली
14. हिंदी गद्य : उद्भव और विकास- रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
15. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास-रामकुमार वर्मा, हिन्दुस्तानी एकेडमी, इलाहाबाद
16. हिंदी साहित्य का नया इतिहास-रामखेलावन पाण्डेय, अनुपम प्रकाशन, पटना
17. साहित्य का इतिहास दर्शन-नलिन विलोचन शर्मा, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना
18. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास-गणपतिचंद्र गुप्त, भारतेंदु भवन, चंडीगढ़
19. हिंदी साहित्य का समेकित इतिहास-सं० डॉ० नगेन्द्र. हिंदी माध्यम कार्यान्वय निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय
20. हिंदी साहित्य का इतिहास-सं० श्याम कश्यप, हिंदी माध्यम कार्यान्वय निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय
21. सगुण-निर्गुण : डॉ० आशा गुप्ता, साहित्य भंडार, इलाहाबाद
22. हिंदी साहित्य का वस्तुनिष्ठ इतिहास, भाग-एक : डॉ० कुसुम राय, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
23. साहित्य और संवेदना का विकास- रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद


Coordinator &
Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol - 713340

Faint, illegible text, possibly a stamp or watermark.

B.A Honours in Hindi CBCS (Semester-I)**COURSE TYPE : CC-2****COURSE CODE : BAHHINC102****आदिकालीन एवं मध्यकालीन काव्य**

अंक विभाजन	
प्रश्न	अंक
5 लघ्वाकार	: 5x2=10
4 व्याख्यामूलक	: 4x5=20
1 वृहदाकार	: 1x10=10
पूर्णांक	: =40
आभ्यांतरिक मूल्यांकन	: =
10	


इकाई : एक

विद्यापति (विद्यापति – शिवप्रसाद सिंह से 7 पद) : 1. विदिता देवि विदिता हो(1) 2. नंदक नन्दन कदम्बेरी तरुतरे(8) 3. सुन रसिया, अब न बजाऊ बिपिन बंसिया(9) 4. सैसव-जौवन दुहु मिलि गेल, स्रवनक पथ दुहु लाचन लेल(11) 5. को हमे साँझक एकसरि तारा(51) 6. मधुपुर मोहन गेल रे, मोरा बिदरत छाती(54) 7. सरसिज बिनु सर सर बिनु सरसिज(83)

कबीर (कबीर ग्रंथावली – श्यामसुंदर दास से 7 पद) : 1. संतों भाई आई ज्ञान की आंधी रे(16) 2. चलन चलन सब कोई कहत है, न जाने बैकुण्ठ कहाँ है (24) 3. पांडे कौन कुमति तोहि लागी (39) 4. पंडित बाद वदंते झूठा (40) 5. माया तजू तजी नहीं जाइ(84) 6. मन रे तन कागद का पुतला(92) 7. हरि जननि मैं बालक तोरा(111) .

इकाई : दो

सूरदास (सूरदास सटीक – धीरेन्द्र वर्मा से 7 पद) : 1. अबिगत-गति कहु कहत न आवै(विनय तथा भक्ति : 2) 2. सिखवति चलन जसोदा मैया(गोकुल लीला : 20) 3. मुरली तऊ गुपालहिं भावति(गोकुल


 Coordinator &
 Assistant Professor
 Department of Hindi
 Kazi Nazrul University
 Asansol - 713340

लीला : 42) 4. बुझत स्याम कौन तू गौरी(राधा-कृष्ण : 2) 5. कोउ ब्रज बांचत नाहिन पाती (उद्धव-सन्देश : 44) 6. आए जोग सिखावन पांडे (उद्धव-सन्देश : 69) 7. निरगुन कौन देस कौ बासी?(उद्धव-सन्देश : 77)

तुलसीदास(कवितावली के 'उत्तरकाण्ड' से 7 पद) : - 1. मनोराजु करत अकाजु भयो आजु लगि, चाहे चारु चीर, पै लहै न टूकु टाटको (66) 2. ऊँचो मनु, ऊँची रुचि, भागु नीचो निपट ही, लोकरीति-लायक न, लंगर लबारु है (67) 3. जातिके, सुजातिके, कुजाति के पेटागि बस खाए टूक सबके, बिदित बात दुनीं सो(71) 4. किसबी, किसान-कुल, बनिक, भिखारी, भाट, चाकर, चपल नट, चोर, चार, चेटकी(96), 5. कुल-करतूति-भूति-कीरति-सरूप-गुन-जौबन जरत जुर्, पुरै न कल कहीं(98) 6. धूत कहौ, अवधूत कहौ, रजपूत कहौ, जोलाहा कहौ कोऊ (106), 7. लालची ललात बिललात द्वार-द्वार दीन, बदन मलीन, मन मिटै ना बिसूरना (148)

इकाई : तीन

मीराबाई (मीरा का काव्य-विश्वनाथ त्रिपाठी से 7 पद) : 1. आली री म्हारे गणा बाण पड़ी 2. म्हारां री गिरिधर गोपाल दूसरा णा कूयां 3. जोगिया जी निसदिन जोवां थारी बाट 4. को बिरहिनी को दुःख जाणै हो 5. पतियां मैं कैसे लिखूं, लिख्योरी न जाय 6. भज मन चरण कंवल अवणासी 7. राम नाम रस पीजै मनआं, राम नाम रस पीजै

बिहारी (बिहारी-रत्नाकर : जगन्नाथ दास रत्नाकर से 15 दोहे) : 1. बैठी रही अति सघन बन, पैठि सदन-तन माँह(52) 2. कागद पर लिखत न बनत, कहत संदेसु लजात(60) 3. या अनुरागी चित्त की गति समुझै नहिं कोई(121) 4. मोहन-मूरति स्याम की अति अद्भुत गति जोइ(161) 5. बड़े न हूजै गुननु बिनु बिरद-बड़ाई पाइ(191) 6. तजि तीरथ हरि राधिके(201) 7. आड़े दे आले बसन जाड़े हूं की रात(283) 8. सीस-मुकुट, कटि-काछनी, कर-मुरली, उर-माल (301) 9. कोरि जातन कोऊ करू, पुरै न प्रकृतिहिं बीचु(341) 10. लिखन बैठि जाकी सबी गहि गहि गरब गरूर(347) 11. दुसह दुराज प्रजानु कौं क्यौं न बढै दुःख-दंदु (357) 12. दृग उरझत, टूटत कुटुम, जुर्त चतुर-चित प्रीति(363) 13. समै समै सुन्दर सबै, रूप कुरूपु न कोई(432) 14. बतरस-लालच लाल की मुरली धरी लुकाइ (472) 15. लटुआ लौं प्रभ-कर गहैं निगुनी गुन लपटाइ(501)


इकाई : चार

भूषण (स्वर्ण मञ्जूषा-नलिनविलोचन शर्मा, केसरी कुमार से 7 पद) : 1. पावक तुल्य अमीतन को भयो (1) 2. जै जयति, जै आदि-सकति जै कालि, कपर्दिनि(3) 3. इंद्र जिमि जम्भ पर बाडव ज्यौं अंभ पर(5) 4. बासब-से बिसरत बिक्रम की कहा चली(11) 5. मद-जलधरन दुरद-बल राजत(12) 6. भुज-भुजगेस की वै संगिनी भुजगिनी-सी (17) 7. साजि चतुरंग बीर-रंग में तुरंग चढ़ि(20)

घनानंद (घनानंद कवित्त : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र से 7 पद) : 1. झलकै अति सुन्दर आनन गौर (2)
 2. पहिलें घन-आनंद सींचि सुजान कहीं बतियाँ अति प्यार पगी (10) 3. तब तो छबि पीवत जीवत है,
 अब सोचन लोचन जात जरे(13) 4. रावरे रूप की रीति अनूप, नयो-नयो लागत ज्यौं-ज्यौं निहारियै
 (15) 5. अति सूधो सनेह को मारग है जहाँ नेकु सयानप बांक नहीं (82) 6. घन आनंद प्यारे सुजान
 सुनौ जिहि भांतिन हौं दुःख-सूल सहौं (88) 7. पूरन प्रेम को मंत्र महा पण जा मधि सोधि सुधारि है
 लेख्यौ (97)

सहायक ग्रन्थ / सन्दर्भ ग्रन्थ :

24. विद्यापति –शिवप्रसाद सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
25. कबीर ग्रंथावली –सं० श्यामसुंदर दास, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
26. सूरसागर सटीक –सं०- धीरेन्द्र वर्मा, साहित्य भवन प्रा० लिमिटेड, इलाहाबाद
27. कवितावली- तुलसीदास, गीता प्रेस, गोरखपुर
28. मीरा का काव्य- सं० विश्वनाथ त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
29. बिहारी रत्नाकर- जगन्नाथ प्रसाद रत्नाकर, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
30. घनानंद-कवित्त –सं० विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, संजय बुक सेंटर, वाराणसी
31. स्वर्ण-मंजूषा- सं० नलिन बिलोचन शर्मा, केसरी कुमार; मोतीलाल-बनारसी दास, दिल्ली
32. कबीर- हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
33. भक्ति-काव्य यात्रा-रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
34. हिंदी के प्राचीन प्रतिनिधि कवि- द्वारिका प्रसाद सक्सेना, श्री विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
35. भक्ति आन्दोलन और सूरदास का काव्य- मैनजर पांडेय, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
36. सूरदास –आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
37. गोस्वामी तुलसीदास- आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
38. लोकवादी तुलसीदास-विश्वनाथ त्रिपाठी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली
39. घनानंद – लल्लन राय, साहित्य अकादेमी, नयी दिल्ली
40. रीतिकाव्य की भूमिका –डॉ० नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली


 Co-ordinator &
 Assistant Professor
 Department of Hindi
 Kazi Nazrul University
 Asansol - 713340

41. बिहारी-विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, संजय बुक सेंटर, वाराणसी
 42. महाकवि भूषण- विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, संजय बुक सेंटर, वाराणसी
 43. सूरदास –सं० हरवंशलाल शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली
 44. घनानंद और स्वच्छंद काव्यधारा-मनोहरलाल गौड़, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
 45. महाकवि सूरदास –नंददुलारे वाजपेयी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- सूरदास – ब्रजेश्वर वर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद


03/05/19
Coordinator &
Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol - 713340

FINAL COPY

B.A. Honours in Hindi CBCS (Semester -I)

सामान्य ऐच्छिक पाठ्यक्रम H G E C

COURSE : GE-1**COURSE CODE : BAHHINGE101****(क) हिन्दी सिनेमा**

अंक विभाजन	
प्रश्न	अंक
5 लघ्वाकार	: 5x2=10
4 व्याख्यामूलक	: 4x5=20
1 वृहदाकार	: 1x10=10
पूर्णांक	: =40
आभ्यांतरिक मूल्यांकन	: =
10	

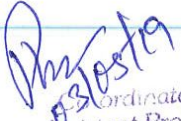
इकाई-1: हिन्दी सिनेमा का संक्षिप्त इतिहास

इकाई-2: हिन्दी सिनेमा में भारतीय समाज
समाज पर हिन्दी सिनेमा का प्रभाव

इकाई-3: हिन्दी सिनेमा के गीत :वस्तु और शिल्प

इकाई- 4 :फिल्म समीक्षा

- 1- मदर इंडिया
- 2- तीसरी कसम
- 3- शोले
- 4- तारे जमीं पर


 Coordinator &
 Assistant Professor
 Department of Hindi
Kazi Nazrul University
 Asansol - 713340

सहायक ग्रंथ :

- 1- हिन्दी सिनेमा का इतिहास- मनमोहन चड्ढा
- 2- सिनेमा आज और कल –विनोद भारद्वाज
- 3- हिन्दी सिनेमा के सौ वर्ष –प्रकाशन विभाग
- 4- हिन्दी सिनेमा के सौ वर्ष –प्रहलाद अग्रवाल
- 5- सिनेमा का जादुई सफर –प्रताप सिंह



Co-ordinator &
Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol - 713340

FINAL COPY

B.A. Honours in Hindi CBCS (Semester –I)

सामान्य ऐच्छिक पाठ्यक्रम H G E C

COURSE : GE-1**COURSE CODE : BAHHINGE102****(ख) टेलीविज़न के हिन्दी चैनल**

अंक विभाजन	
प्रश्न	अंक
5 लघ्वाकार	: 5x2=10
4 व्याख्यामूलक	: 4x5=20
1 वृहदाकार	: 1x10=10
पूर्णांक	: =40
आभ्यांतरिक मूल्यांकन	: =
10	

इकाई-1: टेलीविज़न के हिन्दी चैनल : संक्षिप्त इतिहास

इकाई-2: टेलीविज़न के हिन्दी चैनल :


- 1- समाचार चैनल
- 2- मनोरंजन चैनल
- 3- बच्चों के चैनल
- 4- ज्ञान-विज्ञान के चैनल

इकाई-3 : टेलीविज़न के हिन्दी चैनल : भाषा

इकाई- 4 : टेलीविज़न के हिन्दी चैनल : मूल्यांकन

- 1- आज तक
- 2- एपिक
- 3- पोगो
- 4- डी.डी .भारती

सहायक ग्रंथ :


 Co-ordinator &
 Assistant Professor
 Department of Hindi
 Kazi Nazrul University
 Asansol - 713340

- 1- टेलीविजन की भाषा – हरिश्चंद्र बरनवाल
- 2- टेलीविजन लेखन –असगर वजाहत,प्रभात रंजन
- 3- मीडिया समग्र- 11खंड – जगदीश्वर चतुर्वेदी


Co-ordinator &
Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol - 713340

FINAL COPY

Co-ordinator &
Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol - 713340

B.A. Honours in Hindi CBCS (Semester –II)

कोर पाठ्यक्रम HCC

COURSE : CC-3**COURSE CODE : BAHHINC201****हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)****अंक विभाजन**

प्रश्न	अंक
5 लघ्वाकार	: 5x2=10
4 व्याख्यामूलक	: 4x5=20
1 वृहदाकार	: 1x10=10
पूर्णांक	: =40
आभ्यांतरिक मूल्यांकन	: = 10

इकाई -1: आधुनिक काल :

- नवजागरण : सामान्य परिचय ।
- भारतेन्दु युग : पृष्ठभूमि, प्रवृत्तियाँ तथा प्रमुख कवि ।
- द्विवेदी युग : पृष्ठभूमि, प्रवृत्तियाँ तथा प्रमुख कवि ।

इकाई -2 : छायावाद : पृष्ठभूमि, प्रवृत्तियाँ तथा प्रमुख कवि ।

इकाई -3 : छायावादोत्तर काव्य : पृष्ठभूमि, प्रवृत्तियाँ तथा प्रमुख कवि ।

इकाई -4 :

- हिन्दी नाटक का उद्भव और विकास ।
- हिन्दी उपन्यास का उद्भव और विकास ।
- हिन्दी कहानी का उद्भव और विकास ।
- हिन्दी निबंध का उद्भव और विकास ।
- हिन्दी आलोचना का उद्भव और विकास ।

सहायक ग्रंथ :-


 Co-ordinator &
 Assistant Professor
 Department of Hindi
 Kazi Nazrul University
 Asansol - 713340

सहायक ग्रंथः

1- हिन्दी साहित्य का इतिहास- आचार्य रामचंद्र शुक्ल

1- आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ - नामवर सिंह

2- छायावाद - नामवर सिंह

3- हिन्दी साहित्य का आधुनिक इतिहास - बच्चन सिंह

4- हिन्दी का गद्य साहित्य - रामचन्द्र तिवारी

5- हिन्दी साहित्य का इतिहास -(संपादक) नगेन्द्र

6- हिंदी साहित्य कोश - भाग 1 तथा 2


03/05/19
Co-ordinator &
Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol - 713340

FINAL COPY

B.A. Honours in Hindi CBCS (Semester –II)

कोर पाठ्यक्रम HCC

COURSE : CC-4**COURSE CODE : BAHHINC202****आधुनिक हिंदी कविता (छायावाद तक)**

<u>अंक विभाजन</u>	
प्रश्न	अंक
5 लघ्वाकार	: 5x2=10
4 व्याख्यामूलक	: 4x5=20
1 वृहदाकार	: 1x10=10
पूर्णांक	: =40
आभ्यांतरिक मूल्यांकन	: =
10	

इकाई : एक

भारतेन्दु : दशरथ-विलाप, बसंत, प्रात समीरन, नये जमाने की मुकरी(भारतेन्दु समग्र से)

अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' : पवनदूत प्रसंग ('प्रियप्रवास' के षष्ठ सर्ग का छंद सं०-26 से 83 तक)

इकाई : दो

मैथिलीशरण गुप्त : हम कौन थे क्या हो गए, सखि वे मुझसे कहकर जाते, प्रियतम तुम श्रुति पथ से

रामनरेश त्रिपाठी : कामना, अतुलनीय जिनके प्रताप का, पुष्प विकास(कविता कोश से संग्रहित)

इकाई : तीन

जयशंकर प्रसाद : बीती विभावरी जाग री , मेरे नाविक, तुमुल कोलाहल कलह में, पेशोला की प्रतिध्वनि

सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' : बादल राग-6, जागो फिर एक बार, तोड़ती पत्थर, स्नेह निर्झर बह गया है

इकाई : चार


सुमित्रानंदन पन्त : नौका-विहार, ताज, यह धरती कितना देती है, भारत माता

महादेवी वर्मा : मैं नीर भरी दुःख की बदली, विरह का जलजात जीवन, मधुर-मधुर मेरे दीपक जल, हे चिर महान

सहायक ग्रन्थ / सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. प्रसाद, निराला, पन्त और महादेवी की श्रेष्ठ रचनाएँ—संपादक वाचस्पति पाठक, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2. प्रियप्रवास – अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध', हिंदी साहित्य कुटीर, वाराणसी
3. भारत भारती— मैथिलीशरण गुप्त, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली
4. यशोधरा- मैथिलीशरण गुप्त, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली
5. प्रसाद-निराला-अज्ञेय –रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
6. निराला की साहित्य साधना, खंड-2, -रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
7. निराला : आत्महंता आस्था –दूधनाथ सिंह , लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
8. निराला की कविताएँ और काव्यभाषा –रेखा खरे, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
9. सुमित्रानंदन पन्त –डॉ० नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली
10. महादेवी : परमानंद श्रीवास्तव, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
11. हिंदी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि –द्वारिका प्रसाद सक्सेना, श्री विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
12. सुमित्रानंदन पन्त –कृष्णदत्त पालीवाल, साहित्य अकादेमी, इलाहाबाद
13. सुमित्रानंदन पन्त : जीवन और साहित्य(2 भाग), राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
14. मैथिलीशरण गुप्त- नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
15. भारतेंदु ग्रंथावली खंड-3, संपादक-ओमप्रकाश सिंह, प्रकाशन संस्थान, नयी दिल्ली
16. भारतेंदु समग्र- सं० हेमंत शर्मा, प्रचारक ग्रंथावली परियोजना, हिंदी प्रचारक संस्थान, वाराणसी

Co-ordinator &
Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol - 713300


Co-ordinator &
Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol - 713300

B.A. Honours in Hindi CBCS (Semester –II)

सामान्य ऐच्छिक पाठ्यक्रम H G E C

COURSE : GE-2**COURSE CODE : BAHHINGE201****रचनात्मक लेखन**

अंक विभाजन	
प्रश्न	अंक
5 लघ्वाकार	: 5x2=10
4 व्याख्यामूलक	: 4x5=20
1 वृहदाकार	: 1x10=10
पूर्णांक	: =40
आभ्यांतरिक मूल्यांकन	: = 10

इकाई-1 . रचनात्मक लेखन की अवधारणा , स्वरूप और सिद्धांत ।

भाव एवं विचार की रचना में रूपांतरण की प्रक्रिया – गद्य , पद्य में ।

इकाई-2. रचनात्मक लेखन : भाषा संदर्भ ।


अनौपचारिक-औपचारिक , मौखिक-लिखित , क्षेत्रीय ।

इकाई-3- कविता और कथा साहित्य की आधारभूत संरचनाओं का अध्ययन ।

इकाई-4- कथेतर साहित्य एवं अन्य विधाओं का अध्ययन ।

संदर्भ ग्रंथ

1. रचनात्मक लेखन - सं. रमेश गौतम , प्रभात रंजन
2. आधुनिक हिंदी कविता में बिम्ब विधान - केदारनाथ सिंह
3. कविता रचना प्रक्रिया - कुमार विमल
4. हिंदी कहानी का शैली विज्ञान - बैकुंठनाथ


**Co-ordinator &
 Assistant Professor
 Department of Hindi
 Kazi Nazrul University
 Asansol - 713340**

B.A. Honours in Hindi CBCS (Semester –II)

सामान्य ऐच्छिक पाठ्यक्रम H G E C

COURSE : GE-2**COURSE CODE : BAHHINGE202****पटकथा तथा संवाद लेखन**

<u>अंक विभाजन</u>	
प्रश्न	अंक
5 लघ्वाकार	: 5x2=10
4 व्याख्यामूलक	: 4x5=20
1 वृहदाकार	: 1x10=10
पूर्णांक :	=40
आभ्यांतरिक मूल्यांकन :	=10

इकाई : 1. पटकथा : अवधारणा और स्वरूप

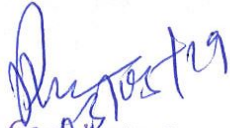
इकाई : 2. फीचर फिल्म, टी. वी. धारावाहिक एवं डॉक्यूमेंट्री की पटकथा

इकाई : 3. संवाद: सैद्धांतिकी और संरचना

इकाई : 4. फीचर फिल्म, टी.वी.धारावाहिक एवं डॉक्यूमेंट्री का संवाद लेखन

सहायक ग्रंथ –

- 1.पटकथा लेखन – मनोहर श्याम जोशी
- 2.टेलीविजन का लेखन – असगर वजाहत
- 3.कथा-पटकथा – मन्नु भंडारी
- 4.रेडियो लेखन – मधुकर गंगाधर


 Co-ordinator &
 Assistant Professor
 Department of Hindi
 Kazi Nazrul University
 Asansol - 713340

MIL Hindi B.A. 2ND SEM. FOR All Hons. and ProgrammeAECC -2 & AECC – 2 (Elective)

अंक विभाजन	
प्रश्न	अंक
5 लघ्वाकार	: 5x2=10
4 व्याख्यामूलक	: 4x5=20
1 वृहदाकार	: 1x10=10
पूर्णांक :	=40
आभ्यांतरिक मूल्यांकन :	= 10

इकाई 1 – कविता :-

निराला –राजे ने अपनी रखवाली की (kavitakosh.org)

नागार्जुन -बार्ते – (kavitakosh.org)

रघुवीर सहाय – आपकी हँसी (kavitakosh.org)

कात्यायनी - अपराजिता (kavitakosh.org)

इकाई-2 कहानी :-

प्रेमचंद- नशा (मानसरोवर भाग-1)

शिवमूर्ति – सिरी उपमा जोग (www.hindisamay.com)

इकाई-3. निबंध :-

भारतेन्दु- भारतवर्षोन्नति कैसे हो सकती है ? (www.hindisamay.com)

राहुल सांकृत्यायन – स्त्री घुमक्कड़ (घुमक्कड़ शास्त्र-राहुल सांकृत्यायन)

P. J. 2019
 Coordinator &
 Assistant Professor
 Department of Hindi
 Kazi Nazrul University
 Asansol - 713340

इकाई-4. व्यंग्य :-

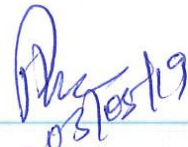
हरिशंकर परसाई – भारत को चाहिये जादूगर और साधु (वैष्णव की फिसलन-हरिशंकर परसाई)

ज्ञान चतुर्वेदी - मूर्खता में ही होशियारी (www.hindisamay.com)

संदर्भ –

1. कवि निराला – नंददुलारे बाजपेयी
2. निराला की साहित्य साधना – रामविलास शर्मा
3. नागार्जुन का रचना संसार – विजय बहादुर सिंह
4. नागार्जुन का काव्य – अजय तिवारी
5. हिंदी कहानी का विकास – मधुरेश
6. समकालीन कहानी के रचनात्मक आशय – यदुनाथ सिंह
7. हिंदी गद्य की विविध विधाएँ – हरिमोहन
8. हिंदी की प्रमुख विधाएँ – बैजनाथ सिंहल

FINAL COPY



Co-ordinator &
Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol - 713340

B.A. Honours in Hindi CBCS (Semester –III)

कोर पाठ्यक्रम HCC

COURSE : CC-5**COURSE CODE : BAHHINC301****भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा**

<u>अंक विभाजन</u>	
प्रश्न	अंक
5 लघ्वाकार	: 5x2=10
4 व्याख्यामूलक	: 4x5=20
1 वृहदाकार	: 1x10=10
पूर्णांक :	=40
आभ्यांतरिक मूल्यांकन :	= 10

इकाई-1: भाषा : परिभाषा, भाषा और बोली। भाषा विज्ञान: सामान्य परिचय, भाषा विज्ञान के अंग, अध्ययन की पद्धतियाँ।

इकाई-2: ध्वनि विज्ञान : परिभाषा, ध्वनि उच्चारण के अवयव, ध्वनि का वर्गीकरण तथा ध्वनि परिवर्तन की दिशाएँ।

इकाई-3 : हिंदी भाषा का विकास : हिंदी भाषा परिवार की विभिन्न बोलियाँ, सामान्य परिचय, खड़ीबोली हिंदी का विकास।

इकाई-4: हिंदी के विभिन्न रूप : राष्ट्रभाषा, राजभाषा और संपर्क भाषा, हिंदी का मानकीकरण।

संदर्भ ग्रंथ :

- 6- भाषा विज्ञान प्रवेश एवं हिंदी भाषा—डॉ. भोलानाथ तिवारी
- 7- भाषा विज्ञान की भूमिका – देवेन्द्र नाथ शर्मा
- 8- भाषा विज्ञान सैद्धांतिक चिंतन-रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
- 9- हिन्दी भाषा का इतिहास-- डॉ. भोलानाथ तिवारी

Dr. J. S. Singh
 Coordinator &
 Assistant Professor
 Department of Hindi
 Kazi Nazrul University
 Asansol - 713340

- 10-हिन्दी भाषा—हरदेव बाहरी
- 11-प्रयोजनमूलक हिंदी—विनोद गोदरे
- 12-प्रयोजनमूलक हिंदी : सिद्धांत और प्रयोग—दंगल झाल्टे
- 13-व्यवहारिक हिंदी पत्राचार-- दंगल झाल्टे
- 14-मानक हिंदी का शुद्धीपरक व्याकरण—रमेशचंद्र मलहोत्रा
- 15-मानक हिंदी स्वरूप और संरचन—डॉ.रामप्रकाश
- 16-परिष्कृत हिंदी व्याकरण—बदरीनाथ कपूर

FINAL COPY


Co-ordinator &
Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol - 713340

B.A. Honours in Hindi CBCS (Semester –III)

कोर पाठ्यक्रम HCC

COURSE : CC-6**COURSE CODE : BAHHINC303****छायावादोत्तर हिंदी कविता**

<u>अंक विभाजन</u>	
प्रश्न	अंक
5 लघ्वाकार	: 5x2=10
4 व्याख्यामूलक	: 4x5=20
1 वृहदाकार	: 1x10=10
पूर्णांक :	=40
आभ्यांतरिक मूल्यांकन :	= 10

इकाई-1: दिनकर – रश्मि रथी (तृतीय सर्ग)
अज्ञेय- कलगी बाजरे की, नदी के द्वीप।

इकाई-2: मुक्तिबोध—चाँद का मुँह टेढ़ा है।
नागार्जुन- प्रतिबद्ध हूँ, बहुत दिनों के बाद।

इकाई-3 : धूमिल- रोटी और संसद, गाँव।
रघुवीर सहाय- आत्महत्या के विरुद्ध, खड़ी स्त्री।

इकाई- 4: अरुण कमल- अपनी केवल धार , पुतली में संसार।
अनामिका- जनम ले रहा है एक नया पुरुष-1 , नमक।

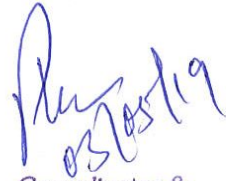
संदर्भ ग्रंथ :

- 1- मुक्तिबोध का रचना संसार- सं. गंगा प्रसाद विमल
- 2- गजानन माधव मुक्तिबोध-सं. लक्ष्मण दत्त गौतम


Coordinator &
Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol - 713340

- 3- मुक्तिबोध का साहित्यिक विवेक और उनकी कवित—लल्लन राय
- 4- अज्ञेय की काव्य-तितीर्षा: नंदकिशोर आचार्य
- 5- कविता के नये प्रतिमान-- नामवर सिंह
- 6- अज्ञेय :- सं. विश्वानाथ प्रसाद तिवारी
- 7- नागार्जुन की काव्यप्रक्रिया—अशोक चक्रधर
- 8- समकालीन बोध और धूमिल का काव्य – हुकुमचंद्र राजपाल
- 9- नागार्जुन का रचना संसार—विजय बहादुर सिंह
- 10-रघुवीर सहाय का कवि कर्म—सुरेश शर्मा
- 11-रघुवीर सहाय का काव्य : एक अनुशीलन—मीनाक्षी
- 12-समकालीन कविता और धूमिल—मंजुल उपाध्याय
- 13-समकालीन हिंदी कविता—विश्वानाथ प्रसाद तिवारी
- 14-कविता के देशकाल—मुक्तेश्वरनाथ तिवारी
- 15-कविता का समकालीन प्रमेय—अरुण होता

FINAL COPY



Co-ordinator &
Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol - 713340

Co-ordinator &
Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol - 713340

B.A. Honours in Hindi CBCS (Semester –III)

कोर पाठ्यक्रम HCC

COURSE : CC-7**COURSE CODE : BAHHINC303****हिंदी नाटक और एकांकी**

<u>अंक विभाजन</u>	
प्रश्न	अंक
5 लघ्वाकार	: 5x2=10
4 व्याख्यामूलक	: 4x5=20
1 वृहदाकार	: 1x10=10
पूर्णांक :	=40
आभ्यांतरिक मूल्यांकन :	= 10

नाटक :-

इकाई-1: ध्रुवस्वामिनी : जयशंकर प्रसाद

इकाई-2: आधे-अधूरे—मोहन राकेश

इकाई-3: बकरी : सर्वेश्वर दयाल सक्सेना

एकांकी:-


इकाई-1 : सूखी डाली—उपेंद्रनाथ अशक

इकाई-2: औरंगजेब की आखिरी रात- राम कुमार वर्मा

इकाई-3: स्ट्राइक- भुवनेश्वर

संदर्भ ग्रंथ :

- 1- आधुनिक हिंदी नाटक और रंगमंच-नेमिचंद्र जैन
- 2- प्रसाद के नाटक स्वरूप और संरचन—गोविंद चातक


 Co-ordinator &
 Assistant Professor
 Department of Hindi
 Kazi Nazrul University
 Asansol - 713340

- 3- समकालीन हिंदी नाटक और रंगमंच—जयदेव तनेजा
- 4- हिन्दी नाटक- जयदेव तनेजा
- 5- हिंदी एकांकी उद्भव और विकास—डॉ. रामचरण महेंद्र
- 6- हिंदी एकांकी—सत्येंद्र
- 7- एकांकी और एकांकी—डॉ. सुरेंद्र यादव

FINAL COPY



Co-ordinator &
Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol - 713340

B.A. Honours in Hindi CBCS (Semester –III)

COURSE : GE-3
COURSE CODE : BAHHINGE301

(क) अनुवाद

<u>अंक विभाजन</u>	
प्रश्न	अंक
5 लघ्वाकार	: 5x2=10
4 व्याख्यामूलक	: 4x5=20
1 वृहदाकार	: 1x10=10
पूर्णांक :	=40
आभ्यांतरिक मूल्यांकन :	= 10

इकाई1-. अनुवाद का अर्थ, परिभाषा , स्वरूप और क्षेत्र ।

इकाई2-. भारत में अनुवाद की परम्परा ।

इकाई -3. अनुवाद : प्रकृति और प्रकार , अनुवाद : महत्त्व और सीमाएँ ।

इकाई-4. समतुल्यता का सिद्धांत और अनुवाद ।

संदर्भ ग्रंथ:-

1. अनुवाद विज्ञान : सिद्धांत और अनुप्रयोग – सं. डॉ. नगेंद्र
2. अनुवाद सिद्धांत की रूपरेखा – कुमार सुरेश
3. अनुवाद विविध आयाम – मा. गो. चतुर्वेदी और कृष्ण कुमार गोस्वामी
4. अनुवाद विज्ञान सिद्धांत और प्रविधि – भोलानाथ तिवारी
5. अनुवाद कला कुछ विचार – आनंद प्रकश खेमाज
6. अनुवाद विज्ञान – भोलानाथ तिवारी
7. अनुवाद विज्ञान भूमिका – कृष्ण कुमार गोस्वामी

Dr. Anand Prakash Khemraj
 Co-ordinator &
 Assistant Professor
 Department of Hindi
 Kazi Nazrul University
 Asansol - 713340

B.A. Honours in Hindi CBCS (Semester –III)**COURSE : GE-3****COURSE CODE : BAHHINGE302****(ख) पत्रकारिता**

<u>अंक विभाजन</u>	
प्रश्न	अंक
5 लघ्वाकार	: 5x2=10
4 व्याख्यामूलक	: 4x5=20
1 वृहदाकार	: 1x10=10
पूर्णांक	: =40
आभ्यांतरिक मूल्यांकन	: = 10

इकाई1-. हिंदी पत्रकारिता का उद्भव और विकास।


इकाई .2-प्रिंट माध्यम की पत्रकारिता : चुनौतियाँ एवं उपलब्धियाँ।

इकाई3-. इलेक्ट्रानिक माध्यम की पत्रकारिता : चुनौतियाँ एवं उपलब्धियाँ।

इकाई4-.साहित्यिक पत्रकारिता एवं पीत पत्रकारिता।

संदर्भ ग्रंथ:

1. हिंदी पत्रकारिता : स्वरूप और संदर्भ- विनोद गोदरे
2. समाचार, फिचर लेखन और सम्पादन कला – हरिमोहन
3. समाचार संकलन और लेखन- नंदकिशोर त्रिखा
4. हिंदी पत्रकारिता का विकास – एन. सी.पंत


 Co-ordinator &
 Assistant Professor
 Department of Hindi
 Kazi Nazrul University
 Asansol - 713303

5. आधुनिक पत्रकारिता- अर्जुन तिवारी
6. लघु पत्रिकाएं और साहित्यिक पत्रकारिता – धर्मेन्द्र गुप्त
7. जनमाध्यम प्रौद्योगिकी और विचारधार-जगदीश्वर चतुर्वेदी

FINAL COPY

B.A. Honours in Hindi CBCS (Semester –III)

COURSE : SEC-1
COURSE CODE : BAHHINSEC301

विज्ञापन और हिंदी

<u>अंक विभाजन</u>	
प्रश्न	अंक
5 लघ्वाकार	: 5x2=10
4 व्याख्यामूलक	: 4x5=20
1 वृहदाकार	: 1x10=10
पूर्णांक :	=40
आभ्यांतरिक मूल्यांकन :	= 10

इकाई-1: विज्ञापन की परिभाषा

इकाई-2 : विज्ञापन के प्रकार और उद्देश्य

इकाई-3: विज्ञापन एजेंसियाँ और उद्योग

इकाई-4 : विज्ञापन की भाषा शैली और हिंदी

संदर्भ ग्रंथ :

- 4- मीडिया लेखन कला—सूर्यप्रकाश दीक्षित
- 5- मीडिया लेखन—डॉ.यू.सी. गुप्ता
- 6- व्यवहारिक पत्रकारिता-- डॉ.यू.सी. गुप्ता
- 7- मीडिया लेखन और सम्पादन कला—गोविंद प्रसाद
- 8- जनसम्पर्क, स्वरूप और सिद्धांत—डॉ.राजेंद्र प्रसाद

03/05/19
 Co-ordinator &
 Assistant Professor
 Department of Hindi
 Kazi Nazrul University
 Asansol - 713340

B.A. Honours in Hindi CBCS (Semester –III)

COURSE : SEC-1
COURSE CODE : BAHHINSEC302

सोशल मीडिया

<u>अंक विभाजन</u>	
प्रश्न	अंक
5 लघ्वाकार	: 5x2=10
4 व्याख्यामूलक	: 4x5=20
1 बृहदाकार	: 1x10=10
पूर्णांक :	=40
आभ्यांतरिक मूल्यांकन :	= 10

इकाई-1 : इंटरनेट

इकाई-2 : विकीपीडिया

इकाई-3 : यू ट्यूब

इकाई-4 : फेसबुक

संदर्भ ग्रंथ :

- 1- मीडिया समग्र 11 खंड—जगदीश्वर चतुर्वेदी
- 2- इंटरनेट विज्ञान—नीति मेहता
- 3- जनसम्पर्क स्वरूप और सिद्धांत—डॉ. राजेंद्र प्रसाद

[Signature]
 03/05/19
 Co-ordinator &
 Assistant Professor
 Department of Hindi
 Kazi Nazrul University
 Asansol - 713340

Department of Hindi
 Kazi Nazrul University
 Asansol - 713340

B.A Honours in Hindi CBCS (Semester-IV)**COURSE TYPE : CC-8****COURSE CODE : BAHHINC401****प्रयोजनमूलक हिंदी**

अंक विभाजन	
प्रश्न	अंक
5 लघ्वाकार	: 5x2=10
4 व्याख्यामूलक	: 4x5=20
1 वृहदाकार	: 1x10=10
पूर्णांक	: =40
आभ्यांतरिक मूल्यांकन	: = 10

इकाई-1. प्रयोजनमूलक हिंदी : अर्थ , उपयोगिता और प्रयोग क्षेत्र।

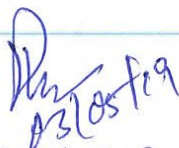
इकाई-2. प्रशासनिक पत्राचार : सरकारी पत्र , अर्ध-सरकारी पत्र , कार्यालयी ज्ञापन और अनुस्मारक, निविदा, परिपत्र , अधिसूचना ।

इकाई-3: कार्यालयी हिंदी में अनुवाद की भूमिका।

इकाई-4: कार्यालयीन अनुवाद की समस्याएँ एवं चुनौतियाँ।

संदर्भ ग्रंथ :

1. प्रयोजनमूलक हिंदी – विनोद गोदरे
2. हिंदी पत्रकारित और जनसंचार—ठाकुरदत्त आलोक
3. प्रयोजनमूलक हिंदी सिद्धांत और प्रयोग—दंगल झाल्टे
4. राजभाषा हिंदी—भोलानाथ तिवारी


 Co-ordinator &
 Assistant Professor
 Department of Hindi
Kazi Nazrul University
 Asansol - 713340

Co-ordinator &
 Assistant Professor
 Department of Hindi
 Kazi Nazrul University

B.A Honours in Hindi CBCS (Semester-IV)**COURSE TYPE : CC-9****COURSE CODE : BAHHINC402****हिंदी उपन्यास**

<u>अंक विभाजन</u>	
प्रश्न	अंक
5 लघ्वाकार	: 5x2=10
4 व्याख्यामूलक	: 4x5=20
1 वृहदाकार	: 1x10=10
पूर्णांक :	=40
आभ्यांतरिक मूल्यांकन :	= 10

इकाई-1: सेवासदन—प्रेमचंद


इकाई-2: मैला आंचल—फणीश्वरनाथ रेणु

इकाई-3: आपका बंटी—मन्नू भंडारी

इकाई- 4 :ग्लोबल गाँव के देवता-- रणेंद्र

संदर्भ ग्रंथ :

- 17- प्रेमचंद विरासत का सवाल—शिवकुमार मिश्र
- 18- प्रेमचंद का पूनर्मूल्यांकन—शम्भुनाथ
- 19- प्रेमचंद और उनका युग—रामविलास शर्मा
- 20- हिंदी उपन्यास का इतिहास—गोपाल राय
- 21- हिंदी उपन्यास एक अंतर्थात्रा—रामदरश मिश्र
- 22- आधुनिकता और हिंदी उपन्यास – इंद्रनाथ मदान
- 23- उपन्यास समीक्षा के नए प्रतिमान—दंगल झाल्टे
- 24- हिंदी के आंचलिक उपन्यास और उनकी शिल्प विधि—आदर्श सक्सेना
- 25- उपन्यास की संरचना—गोपाल राय
- 26- प्रेमचंद के उपन्यसों का शिल्प विधान—कमल किशोर गोयंका
- 27- मैला आंचल – मधुरेश
- 28- फणीश्वरनाथ रेणु और मैला आंचल—गोपाल राय


 Coordinator &
 Assistant Professor
 Department of Hindi
 Kazi Nazrul University
 Asansol - 713340

B.A Honours in Hindi CBCS (Semester-IV)**COURSE TYPE : CC-10****COURSE CODE : BAHHINC403****हिंदी कहानी**

अंक विभाजन	
प्रश्न	अंक
5 लघ्वाकार	: 5x2=10
4 व्याख्यामूलक	: 4x5=20
1 वृहदाकार	: 1x10=10
पूर्णांक	: =40
आभ्यांतरिक मूल्यांकन	: = 10

इकाई-1 : प्रेमचंद - सवा सेर गेहूँ

इकाई-2 जयशंकर प्रसाद- गुंडा

इकाई-3 जैनेंद्र - पत्नी

इकाई-4 उषा प्रियंवदा- वापसी

इकाई-5 निर्मल वर्मा - परिंदे

इकाई-6 अमरकांत - दोपहर का भोजन

इकाई-7 उदय प्रकाश - दरियाई घोड़ा

इकाई-8 अज्ञेय - शरणदाता

इकाई-9 ओम प्रकाश वाल्मीकि - सलाम

इकाई-10 संजीव - घर चलो दुलरी बाई

संदर्भ ग्रंथ --

Dr. Anurag
03/05/19
Co-ordinator &
Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol - 713340

- 1) मानसरोवर भाग-4 - प्रेमचंद
- 2) प्रतिनिधि कहानियाँ - जयशंकर प्रसाद
- 3) प्रतिनिधि कहानियाँ - जैनेन्द्र
- 4) सम्पूर्ण कहानियाँ - उषा प्रियंवदा
- 5) प्रतिनिधि कहानियाँ - निर्मल वर्मा
- 6) प्रतिनिधि कहानियाँ - अमरकांत
- 7). हिंदी कहानी : उद्भव और विकास – डॉ. सुरेश सिंहा
- 8). हिंदी कहानी : पहचान और परख – सं. इंद्रनाथ मदान
- 9). कहानी : नयी कहानी – नामवर सिंह
- 10). कहानी शिल्प और संवेदना – राजेंद्र यादव
- 11). नयी कहानी संदर्भ और प्राकृति – देवीशंकर अवस्थी
- 12). हिंदी कहानी का विकास – मधुरेश
- 13). जनवादी कहानी – रमेश उपाध्याय
- 14). दलित साहित्य : बुनियाद सरोकार – कृष्णदत्त पालीवाल
- 15). यसपाल – मधुरेश
- 16). निर्मल वर्मा – सं. अशोक बाजपेयी

FINAL COPY

B.A Honours in Hindi CBCS (Semester-IV)**COURSE TYPE : GE-4****COURSE CODE : BAHHINGE401****(क) हिंदी का वैश्विक परिदृश्य**

<u>अंक विभाजन</u>	
प्रश्न	अंक
5 लघ्वाकार	: 5x2=10
4 व्याख्यामूलक	: 4x5=20
1 वृहदाकार	: 1x10=10
पूर्णांक :	=40
आभ्यांतरिक मूल्यांकन :	= 10

इकाई-1: भाषाओं का वैश्विक परिदृश्य ।

इकाई-2 : हिंदी का वैश्विक परिदृश्य ।

इकाई- 3 : जनमाध्यमों में हिंदी ।

इकाई- 4: 21 वीं सदी में हिंदी की चुनौतियाँ ।

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी का वैश्विक परिदृश्य – वेद प्रकाश उपाध्याय
2. हिंदी का विश्व संदर्भ – डॉ. करूणा शंकर उपाध्याय
3. हिंदी भाषा के बढ़ते कदम – ऋषभ देव शर्मा
4. वेब मीडिया और हिंदी का वैश्विक परिदृश्य –मुनीष कुमार
5. वैश्विक परिदृश्य में आज का भारत : समकालीन विमर्श के विविध सरोकार – वीरेंद्र सिंह यादव

Co-ordinator &
Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol - 713340


20/05/19
Co-ordinator &
Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol - 713340

B.A Honours in Hindi CBCS (Semester-IV)**COURSE TYPE : GE-4****COURSE CODE : BAHHINGE402****(ख) हिंदी भाषा शिक्षण**

<u>अंक विभाजन</u>	
प्रश्न	अंक
5 लघ्वाकार	: 5x2=10
4 व्याख्यामूलक	: 4x5=20
1 वृहदाकार	: 1x10=10
पूर्णांक :	=40
आभ्यांतरिक मूल्यांकन :	= 10

इकाई-1: भाषा शिक्षण के सामान्य सिद्धांत ।


इकाई-2: हिंदी भाषा शिक्षण की विधियाँ।

इकाई-3: हिंदी भाषा पाठ्य पुस्तक : चयन एवं उपयोगिता ।

इकाई-4: व्याकरण शिक्षण का उद्देश्य ।

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी भाषा का समाजशास्त्र – रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
2. मीडिया और बाजारवाद – सं. रामशरण जोशी
3. शिक्षा के समाजशास्त्रीय आधार – एन. आर. स्वरूप सक्सेना
4. हिंदी शिक्षण – बी. एल. श्रमा एवं बी. एम. सक्सेना
5. हिंदी शिक्षण – रामसकल पाण्डेय
6. शिक्षण की तकनीकी – एन. आर. स्वरूप सक्सेना , एम. सी. ओबराय
7. शिक्षा सिद्धांत – एन. आर. स्वरूप सक्सेना


 Coordinator &
 Assistant Professor
 Department of Hindi
 Kazi Nazrul University
 Asansol - 713340

B.A Honours in Hindi CBCS (Semester-IV)**COURSE TYPE : SEC-2****COURSE CODE : BAHHINSEC401****(क)सम्भाषण कला**

<u>अंक विभाजन</u>	
प्रश्न	अंक
5 लघ्वाकार	: 5x2=10
4 व्याख्यामूलक	: 4x5=20
1 बृहदाकार	: 1x10=10
पूर्णांक	: =40
आभ्यांतरिक मूल्यांकन	: = 10

इकाई-1: सम्भाषण कला

इकाई-2: सम्भाषण के महत्त्वपूर्ण सिद्धांत

इकाई- 3. अच्छे वक्ता के गुण

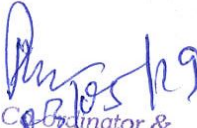
इकाई- 4. प्रमुख वक्ताओं की सम्भाषण कला

(क) नामवर सिंह

(ख) चित्रा मुद्गल

संदर्भ ग्रंथ :

1. भाषण कला - महेश शर्मा
2. भाषण और सम्भाषण की दिव्य क्षमता – पं० श्रीराम शर्मा आचार्य
3. आदर्श भाषण कला - चित्रभूषण श्रीवास्तव
4. अच्छी हिंदी सम्भाषण और लेखन - तेजपाल चौधरी


 Coordinator &
 Assistant Professor
 Department of Hindi
Kazi Nazrul University
 Asansol - 713340

B.A Honours in Hindi CBCS (Semester-IV)**COURSE TYPE : SEC-2****COURSE CODE : BAHHINSEC402****कार्यालयी हिंदी**

<u>अंक विभाजन</u>	
प्रश्न	अंक
5 लघ्वाकार	: 5x2=10
4 व्याख्यामूलक	: 4x5=20
1 वृहदाकार	: 1x10=10
पूर्णांक :	=40
आभ्यांतरिक मूल्यांकन :	= 10

इकाई-1: कार्यालयी हिंदी : विविध स्वरूप

इकाई :2-प्रशासनिक पत्राचार : सरकारी पत्र , अर्धसरकारी पत्र, कार्यालय ज्ञापन, अनुस्मारक, निविदा, परिपत्र, अधिसूचना।

इकाई-3: कार्यालयी हिंदी में अनुवाद की भूमिका।

इकाई-4: साहित्यिक अनुवाद में अंतर, अनुवाद की समस्याएँ।

संदर्भ ग्रंथ :

1. प्रयोजनमूलक हिंदी – विनोद गोदरे
2. प्रयोजनमूलक हिंदी : सिद्धांत और प्रयोग— दंगल झाल्टे
3. हिंदी पत्रकारित और जनसंचार—ठाकुरदत्त आलोक
4. प्रयोजनमूलक हिंदी सिद्धांत और प्रयोग—दंगल झाल्टे
5. राजभाषा हिंदी—भोलानाथ तिवारी


 Coordinator &
 Assistant Professor
 Department of Hindi
 Kazi Nazrul University
 Asansol - 713340

B.A. Honours in Hindi CBCS (Semester –V)

कोर पाठ्यक्रम HCC

COURSE : CC-11**COURSE CODE : BAHHINC501****भारतीय काव्यशास्त्र**

अंक विभाजन	
प्रश्न	अंक
5 लघ्वाकार	: 5x2=10
4 व्याख्यामूलक	: 4x5=20
1 बृहदाकार	: 1x10=10
पूर्णांक	: =40
आभ्यांतरिक मूल्यांकन	: = 10

इकाई-1 काव्य लक्षण, काव्य – हेतु , काव्य प्रयोजन ।

इकाई-2 शब्द शक्तियाँ – अभिधा , लक्षणा , व्यंजना ।

इकाई-3 रस-सिद्धांत : रसांग , रस-निष्पत्ति , साधारणीकरण ।

इकाई-4 रसेतर सिद्धांत : इतिहास और परिचय , अलंकार , ध्वनि , रीति ।

संदर्भ ग्रंथ--

1. भारतीय साहित्य शास्त्र—गणेश त्र्यंबक देशपांडे
2. काव्यशास्त्र- भागीरथ मिश्र
3. रस मीमांसा – रामचंद्र शुक्ल
4. भारतीय काव्यशास्त्र – सत्यदेव चौधरी
5. भारतीय साहित्य शास्त्र(दोनों भाग) - बलदेव उपाध्याय
6. रस सिद्धांत – नगेंद्र
7. ध्वनि सम्प्रदाय और उनके सिद्धांत – भोला शंकर व्यास


 Assistant Professor
 Department of Hindi
 Kazi Nazrul University
 Asansol - 713340

B.A. Honours in Hindi CBCS (Semester –V)

कोर पाठ्यक्रम HCC

COURSE : CC-12**COURSE CODE : BAHHINC502****पाश्चात्य काव्यशास्त्र**

अंक विभाजन	
प्रश्न	अंक
5 लघ्वाकार	: 5x2=10
4 व्याख्यामूलक	: 4x5=20
1 बृहदाकार	: 1x10=10
पूर्णांक	: =40
आभांतरिक मूल्यांकन	: = 10

इकाई1- प्लेटो : काव्यलोचन , अरस्तू : अनुकरण , विरेचन , त्रासदी ।

इकाई2- लॉजाइनस : उदात्त , वर्ड्सवर्थ : काव्यभाषा ।

इकाई3- टी.एस. इलियट : निर्वैयक्तिकता , वस्तुनिष्ठ समीकरण एवं आई. ए. रिचर्डस का मूल्य-सिद्धांत एवं संप्रेषण-सिद्धांत ।

इकाई4- स्वच्छंदतावाद, मनोविश्लेषणवाद ।

संदर्भ ग्रंथ—

1. काव्यशास्त्र – भागीरथ मिश्र
2. पाश्चात्य काव्य शास्त्र – देवेन्द्रनाथ शर्मा
3. भारतीय काव्य शास्त्र – सत्यदेव चौधरी
4. पाश्चात्य काव्य शास्त्र चिंतन – निर्मला जैन
5. पाश्चात्य काव्य शास्त्र के सिद्धांत – शांति स्वरूप गुप्त
6. पाश्चात्य काव्य शास्त्र – सावित्री सिन्हा
7. पाश्चात्य काव्य शास्त्र सिद्धांत और वाद – सं. नगेंद्र
8. पाश्चात्य काव्य शास्त्र के सिद्धांत – निर्मला जैन एवं डॉ. कुसुम भाँठिया

Dr. J. S. Singh
 Co-ordinator &
 Assistant Professor
 Department of Hindi
 Kazi Nazrul University
 Asansol - 713340

B.A. Honours in Hindi CBCS (Semester –V)**COURSE : DSE****COURSE CODE : BAHHINDSE501****अस्मितामूलक विमर्श और हिंदी साहित्य**

<u>अंक विभाजन</u>	
प्रश्न	अंक
5 लघ्वाकार	: 5x2=10
4 व्याख्यामूलक	: 4x5=20
1 वृहदाकार	: 1x10=10
पूर्णांक :	=40
आभ्यांतरिक मूल्यांकन :	= 10

इकाई-1: अस्मितामूलक विमर्श की अवधारणा तथा विशेषताएँ।

इकाई-2 : स्त्री विमर्श की अवधारणा , साठोत्तरी गद्य साहित्य में स्त्री विमर्श।

इकाई-3: दलित विमर्श की अवधारणा , साठोत्तरी गद्य साहित्य में दलित विमर्श।

इकाई-4: आदिवासी विमर्श की अवधारणा, साठोत्तरी गद्य साहित्य में आदिवासी विमर्श।

संदर्भ ग्रंथ--

1. स्त्री संघर्ष का इतिहास—राधा कुमार
2. स्त्रीवादी साहित्य विमर्श—जगदीश्वर चतुर्वेदी
3. स्त्री मुक्ति का सपना—वसुधा विशेषांक(2014)
4. उपनिवेश में स्त्री—प्रभा खेतान
5. स्त्री स्मिता का प्रश्न—सुभाष सेतिया
6. दलित साहित्य का सौंदर्य शास्त्र—शरण कुमार लिम्बाले
7. दलित साहित्य का सौंदर्य शास्त्र—ओमप्रकाश वाल्मीकि
8. दलित विमर्श की भूमिका—कंवल भारती


 Co-ordinator &
 Assistant Professor
 Department of Hindi
 Kazi Nazrul University
 Asansol - 713340

9. दलित दर्शन—रमणिका गुप्ता
10. दलित लेखन का अंतर्विरोध—डॉ. रामकली सर्राफ
11. आदिवासी लोक- रमणिका गुप्ता


Coordinator &
Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol - 713340

FINAL COPY

Coordinator &
Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol - 713340

B.A. Honours in Hindi CBCS (Semester –V)**COURSE : DSE****COURSE CODE : BAHHINDSE502****भारतीय एवं पाश्चात्य रंगमंच सिद्धांत**

<u>अंक विभाजन</u>	
प्रश्न	अंक
5 लघ्वाकार	: 5x2=10
4 व्याख्यामूलक	: 4x5=20
1 वृहदाकार	: 1x10=10
पूर्णांक	: =40
आभ्यांतरिक मूल्यांकन	: = 10

इकाई1- रंगमंच की भारतीय एवं पाश्चात्य अवधारणाएँ और इतिहास ।

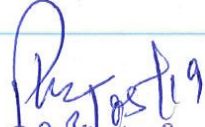
इकाई2- हिंदी साहित्य में रंगमंच की उपस्थिति और उसका विस्तार ।

इकाई3- पाश्चात्य साहित्य में रंगमंच और उसका विस्तार ।

इकाई 4- आषाढ़ का एक दिन एवं आठवाँ सर्ग का रंगमंच की दृष्टि से विश्लेषण- विवेचन ।

संदर्भ ग्रंथ :

1. एकांकी और एकांकीकार - रामचरण महेन्द्र
2. हिन्दी एकांकी शिल्पविधि का विकास - सिद्धनाथ कुमार
3. समानांतर – रमेशचंद्र शाह
4. धर्मवीर भारती ग्रंथावली - सं. चन्द्रकांत बांदिवडेकर
5. रंगमंच के सिद्धांत – सं. महेश आनंद , देवेन्द्र राज अंकुर
6. रंगमंच का जनतंत्र – हृषीकेश सुलभ


 Coordinator &
 Assistant Professor
 Department of Hindi
Kazi Nazrul University
 Asansol - 713340

B.A. Honours in Hindi CBCS (Semester –V)

COURSE : DSE

COURSE CODE : BAHHINDSE503

हिन्दी व्याकरण

<u>अंक विभाजन</u>	
प्रश्न	अंक
5 लघ्वाकार	: 5x2=10
4 व्याख्यामूलक	: 4x5=20
1 वृहदाकार	: 1x10=10
पूर्णांक :	=40
आभ्यांतरिक मूल्यांकन :	= 10

इकाई-1: संधि तथा समास, क्रियाविशेषण ।

इकाई-2 : शब्द शुद्धि, वाक्य शुद्धि, मुहावरे और लोकोक्तियाँ ।

इकाई-3: अनेक शब्दों के लिए एक शब्द, विराम चिह्न ।

इकाई-4: छंद (चौपाई, दोहा कवित्त, सवैया, छप्पय), अलंकार (अनुप्रास, यमक, श्लेष, रूपक, उत्प्रेक्षा) ।

संदर्भ ग्रंथ :

- 1- हिन्दी व्याकरण –कामता प्रसाद गुरु
- 2- हिन्दी व्याकरण –एन .सी .ई.आर. टी.
- 3- हिंदी व्याकरण शब्द और अर्थ—हरदेव बाहरी
- 4- शुद्ध हिंदी कैसे लिखें - आर. पी. सिन्हा
- 5- शुद्ध हिंदी - हदेव बाहरी
- 6- काव्य शास्त्र – भगीरथ मिश्र
- 7- काव्यांग पारिजात : डॉ. हरिचरन शर्मा
- 8- अलंकार मुक्तावली : देवेन्द्रनाथ शर्मा
- 9- साहित्य-शास्त्र : राधावल्लभ त्रिपाठी


 Coordinator &
 Assistant Professor
 Department of Hindi
 Kazi Nazrul University
 Asansol - 713340

B.A. Honours in Hindi CBCS (Semester –V)

COURSE : DSE

COURSE CODE : BAHHINDSE504

पुस्तक समीक्षा

<u>अंक विभाजन</u>	
प्रश्न	अंक
5 लघ्वाकार	: 5x2=10
4 व्याख्यामूलक	: 4x5=20
1 वृहदाकार	: 1x10=10
पूर्णांक :	=40
आभ्यांतरिक मूल्यांकन :	= 10

इकाई1-. समीक्षा की अवधारणाएँ , स्वरूप तथा विशेषताएँ ।

इकाई2-. हिंदी साहित्य में पुस्तक समीक्षा का इतिहास ।

इकाई3-. पुस्तक समीक्षा के प्रतिमान ।

इकाई4- किसी एक पुस्तक की समीक्षा :--

1. अकाल में सारस : केदार सिंह

अथवा

2. त्यागपत्र : जैनेंद्र कुमार


संदर्भ ग्रंथ

1. हिंदी साहित्य का इतिहास - रामचंद्र शुक्ल
2. हिंदी गद्य का विकास - रामचंद्र तिवारी
3. रचनात्मक लेखन – सं. रमेश गौतम, प्रभात रंजन
4. केदारनाथ सिंह विशेषांक – पाखी , जून-2018 (सं. प्रेम भरद्वाज)


Co-ordinator &
Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazim University
Asansol - 713340

5. जैनेंद्र साहित्य और समीक्षा – राम रतन भटनागर
6. केदारनाथ सिंह : चकिया से दिल्ली – सं. कामेश्वर सिंह

FINAL COPY


Coordinator &
Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol - 713340

B.A. Honours in Hindi CBCS (Semester –V)**COURSE : DSE****COURSE CODE : BAHHINDSE505****भारतीय साहित्य**

अंक विभाजन	
प्रश्न	अंक
5 लघ्वाकार	: 5x2=10
4 व्याख्यामूलक	: 4x5=20
1 वृहदाकार	: 1x10=10
पूर्णांक	: =40
आभ्यांतरिक मूल्यांकन	: = 10

इकाई-1: भारतीय साहित्य का स्वरूप : आध्ययन की समस्याएँ।

इकाई-2 : भारतीय साहित्य में आज के भारत का बिम्ब।

इकाई-3: भारतीयता का समाजशास्त्र।

इकाई- 4 : हिंदी साहित्य में भारतीय मूल्यों की अभिव्यक्ति।

संदर्भ ग्रंथ :

- 1- भारतीय साहित्य—डॉ. नगेंद्र
- 2- भारतीय साहित्य की भूमिका—रामविलास शर्मा
- 3- भारतीय साहित्य आशा और आस्था—डॉ. आरसु
- 4- तुलनात्मक साहित्य भारतीय परिपेक्ष्य – इंद्रनाथ चौधरी
- 5- भारतीय साहित्य की पहचान - सं. सियाराम तिवारी, वाणी
- 6- भारतीय साहित्य - रोहिताश्व


 Co-ordinator &
 Assistant Professor
 Department of Hindi
 K. J. Somaiya Institute of
 Management & Information Technology
 Gandhinagar - 380015

B.A. Honours in Hindi CBCS (Semester –VI)

कोर पाठ्यक्रम HCC

COURSE : CC-13**COURSE CODE : BAHHINC601****हिंदी निबंध तथा अन्य गद्य विधाएँ**

अंक विभाजन	
प्रश्न	अंक
5 लघ्वाकार	: 5x2=10
4 व्याख्यामूलक	: 4x5=20
1 वृहदाकार	: 1x10=10
पूर्णांक :	=40
आभ्यांतरिक मूल्यांकन :	= 10

इकाई-1. रामचंद्र शुक्ल – भय , हजारी प्रसाद द्विवेदी – अशोक के फूल ।

इकाई-2. विद्यानिवास मिश्र – बसंत आ गया कोई उत्कंठा नहीं , रामविलास शर्मा – निराला का अपराजेय व्यक्तित्व ।

इकाई-3. महादेवी वर्मा – गूँगिया , राहुल सांकृत्यायन – विद्या और वय ।

इकाई-4 मैत्रेयी पुष्पा – कस्तुरी कुंडल बसै (रे मन जाह , जहाँ तोहि भावे) , फणीश्वर नाथ रेणु – सरहद के उस पार ।

संदर्भ ग्रंथ

1. हिंदी का गद्य साहित्य – रामचंद्र तिवारी
2. हिंदी की गद्य विधाएँ – डॉ. हरिमोहन
3. हिंदी आलोचना का उद्भव और विकास – नंदकिशोर नवल
4. हिंदी के रेखाचित्र – माखनलाल शर्मा
5. परम्परा का मूल्यांकन – रामविलास शर्मा


 02/05/19
 Coordinator &
 Assistant Professor
 Department of Hindi
 Kazi Nazrul University
 Asansol - 713340

B.A. Honours in Hindi CBCS (Semester –VI)

कोर पाठ्यक्रम HCC

COURSE : CC-14**COURSE CODE : BAHHINC602****हिंदी आलोचना**

अंक विभाजन	
प्रश्न	अंक
5 लघ्वाकार	: 5x2=10
4 व्याख्यामूलक	: 4x5=20
1 वृहदाकार	: 1x10=10
पूर्णांक	: =40
आभ्यांतरिक मूल्यांकन	: = 10

इकाई .1-हिंदी आलोचना का प्रारम्भ और द्विवेदीयुगीन आलोचना ।

इकाई . 2-आचार्य रामचंद्र शुक्ल की आलोचना ।

इकाई 3- शुक्लोत्तर हिंदी आलोचना : हजारीप्रसाद द्विवेदी , नंददुलारे वाजपेयी ।

इकाई.4- प्रगतिशील आलोचना की प्रवृत्तियाँ और रामविलास शर्मा , नामवर सिंह ।

संदर्भ ग्रंथ

1. हिंदी आलोचना – विश्वनाथ त्रिपाठी
2. हिंदी आलोचना का विकास – नंदकिशोर नवल
3. हिंदी आलोचना शिखरों से साक्षात्कार – रामचंद्र तिवारी
4. हिंदी आलोचना का विकास – मधुरेश
5. आलोचना और विचारधारा – नामवर सिंह
6. साहित्य और इतिहास दृष्टि – मैनेजर पाण्डेय


 03/05/19
 Co-ordinator &
 Assistant Professor
 Department of Hindi
Kazi Nazrul University
 Asansol - 713340

B.A. Honours in Hindi CBCS (Semester –VI)

COURSE : DSE
COURSE CODE : BAHHINDSE601

लोक-साहित्य

अंक विभाजन	
प्रश्न	अंक
5 लघ्वाकार	: 5x2=10
4 व्याख्यानमूलक	: 4x5=20
1 वृहदाकार	: 1x10=10
पूर्णांक	: =40
आभ्यांतरिक मूल्यांकन	: = 10

इकाई-1. लोक साहित्य की अवधारणाएँ, स्वरूप तथा विशेषताएँ।

इकाई-2. लोक साहित्य बनाम शिष्ट साहित्य।

इकाई-3. हिंदी साहित्य विविध विधाओं (कविता एवं कहानी) में लोक और उसकी उपस्थिति।

इकाई-4. लोक साहित्य : वर्तमान और भविष्य।

संदर्भ ग्रंथ -

1. हिंदी लोक साहित्य : सिद्धांत और विकास- डॉ. अनसूया अग्रवाल
2. लोक साहित्य सिद्धांत और प्रयोग - डॉ. शिवराम शर्मा
3. लोक- सं. पीयूष दईया
4. लोक संस्कृति की रूपरेखा - डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय
5. परम्परा और परिवर्तन - श्यामाचरण दुबे
6. लोकजीवन और साहित्य – डॉ. रामविलास शर्मा
7. लोकसंस्कृति और इतिहास – बद्रीनारायण
8. ग्राम गीत : रामनरेश त्रिपाठी

Dr. Anusuya Agrawal
 03/05/19
 Co-ordinator &
 Assistant Professor
 Department of Hindi
 Kazi Nazrul University
 Asansol - 713340

B.A. Honours in Hindi CBCS (Semester –VI)

COURSE : DSE

COURSE CODE : BAHHINDSE602

भारतीय साहित्य : पाठपरक अध्ययन

<u>अंक विभाजन</u>	
प्रश्न	अंक
5 लघ्वाकार	: 5x2=10
4 व्याख्यामूलक	: 4x5=20
1 वृहदाकार	: 1x10=10
पूर्णांक :	=40
आभ्यांतरिक मूल्यांकन :	= 10

इकाई-1. उपन्यास : संस्कार (यू. आर. अनंतमूर्ति) ।


इकाई-2. कहानी : युद्ध, जनाजा (शानी) ।

इकाई-3. निबंध : साहित्य का तात्पर्य, सभ्यता का संकट (रवींद्रनाथ ठाकुर) ।

इकाई-4. आत्मकथा: अक्करमासी के कुछ अंश (शरण कुमार लिम्बाले) ।

संदर्भ ग्रंथ -

1. अक्करमासी - शरणकुमार लिम्बाले
2. प्रतिनिधि कहानियाँ – शानी
3. संस्कार – यू. आर. अनंतमूर्ति
4. रवींद्र रचना संचयन – सं. असित कुमार बंधोपाध्याय


 Co-ordinator &
 Assistant Professor
 Department of Hindi
 Kazi Nazimuddin University
 Aligarh - 202002

B.A. Honours in Hindi CBCS (Semester –VI)

COURSE : DSE

COURSE CODE : BAHHINDSE603

हिंदी सेवी संस्थाओं का सर्वेक्षण

निर्देश :- छात्रों को किसी एक हिंदी सेवी संस्था का सर्वेक्षण करना होगा तथा 5000 शब्दों में एक लिखित परियोजना तैयार करनी होगी।

FINAL COPY


03/05/19
Coordinator &
Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol - 713340

B.A. Honours in Hindi CBCS (Semester –VI)

COURSE : DSE

COURSE CODE : BAHHINDSE604

हिंदी भाषी समाज का सर्वेक्षण

निर्देश :- छात्रों को हिंदी भाषी समाज के किसी एक मुहल्ले का जिसमें न्यूनतम दस परिवार आते हों , का सामाजिक , सांस्कृतिक , ऐतिहासिक एवं आर्थिक सर्वेक्षण करते हुए 5000 शब्दों में एक परियोजना प्रस्तुत करनी होगी ।

FINAL COPY


03/05/19

Co-ordinator &
Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol - 713340

B.A. Honours in Hindi CBCS (Semester –VI)

COURSE : DSE
COURSE CODE : BAHHINDSE605

हिंदी रंगमंच

<u>अंक विभाजन</u>	
प्रश्न	अंक
5 लघ्वाकार	: 5x2=10
4 व्याख्यामूलक	: 4x5=20
1 वृहदाकार	: 1x10=10
पूर्णांक	: =40
आभ्यांतरिक मूल्यांकन	: = 10

इकाई-1. हिंदी रंग चिंतन की शुरूआत , स्वरूप तथा विशेषताएँ ।

इकाई-2. हिंदी रंग चिंतन की परम्परा : सैद्धांतिक रचनाकार ।

(भारतेन्दु , प्रसाद, मोहन राकेश , भीष्म साहनी) ।

इकाई-3. रंगमंच का सौंदर्यशास्त्र : नाट्यलेख , निर्देशन , प्रेक्षागृह और दर्शक ।


इकाई-4. नाट्य- समीक्षा : ध्रुवस्वामिनी और कोणार्क ।


संदर्भ ग्रंथ

1. रंगमंच के सिद्धांत – सं. महेश आनंद , देवेन्द्र राज अंकुर
2. रंगमंच का सौंदर्यशास्त्र – देवेन्द्र राज अंकुर
3. नाट्य दर्पण—मोहन राकेश
4. रंगमंच का जनतंत्र—हृषिकेश सुलभ


20/5/19

Prof. (Dr.) Vijay Kumar Bharty
 Dean, Faculty of Arts
 Kazi Nazrul University
 Asansol - 713340


 Secretary
 College Councils
 Kazi Nazrul University
 Asansol - 713340


 6/5/19
 Assistant Professor
 Department of Hindi
 Kazi Nazrul University
 Asansol - 713340

B.A. Program in Hindi CBCS (Semester –I)

प्रथम पत्र (First Paper)

COURSE TYPE : CC-1

COURSE CODE : BAPHINC101

हिंदी साहित्य का इतिहास

अंक विभाजन	
प्रश्न	अंक
5 लघ्वाकार	: 5x2=10
4 लघ्वाकार	: 4x5=20
1 वृहदाकार	: 1x10=10
पूर्णांक	: =40
आभ्यंतरिक मूल्यांकन	: = 10

इकाई : एक

काल विभाजन और नामकरण

आदिकालीन काव्य : पृष्ठभूमि और प्रवृत्तियाँ, प्रमुख कवि तथा उनकी प्रमुख रचनाएं

इकाई : दो

भक्ति आन्दोलन : सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, प्रमुख निर्गुण कवि, प्रमुख सगुण कवि

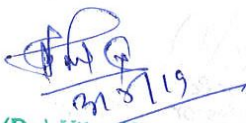
भक्तिकाल की प्रवृत्तियाँ

रीतिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि एवं प्रवृत्तियाँ

रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध एवं रीतिमुक्त कवि

इकाई : तीन

भारतेन्दुयुगीन साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ


Prof. (Dr.) Vijay Kumar Bhardwaj
 Dean, Faculty of Arts
 Kazi Nazrul University
 Asansol - 713340, W.B.


Secretary
 College Councils
 Kazi Nazrul University
 Asansol- 713340


 Co-ordinator &
 Assistant Professor
 Department of Hindi
 Kazi Nazrul University
 Asansol - 713340

द्विवेदीयुगीन कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ

छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद तथा समकालीन कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ


इकाई : चार

हिंदी गद्य : उद्भव और विकास

कहानी, उपन्यास, नाटक, निबंध

सहायक ग्रन्थ/सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. हिंदी साहित्य का इतिहास-रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
2. हिंदी साहित्य : उद्भव और विकास-आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
3. हिंदी साहित्य की भूमिका- आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
4. हिंदी साहित्य का आदिकाल- आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास- रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
5. इतिहास और आलोचक दृष्टि- रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
6. हिंदी गद्य : विन्यास और विकास- रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
7. हिंदी साहित्य की अधुनातन प्रवृत्तियाँ-रामस्वरूप चतुर्वेदी, केन्द्रीय हिंदी संस्थान, आगरा
8. हिंदी साहित्य का आधा इतिहास -सुमन राजे, भारतीय ज्ञानपीठ, नयी दिल्ली
9. साहित्येतिहास : संरचना और स्वरूप-सुमन राजे, ग्रंथम प्रकाशन, कानपुर
10. हिंदी साहित्य का इतिहास-सं० डॉ० नगेन्द्र, मयूर पेपर बुक्स, नोएडा
11. रीतिकाल की भूमिका -डॉ० नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली
12. आधुनिक साहित्य-नंददुलारे वाजपेयी, भारती भंडार, इलाहाबाद
13. हिंदी साहित्य : बीसवीं शताब्दी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
14. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास -बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
15. आधुनिक साहित्य का इतिहास-बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
16. हिंदी साहित्य का इतिहास- विजेन्द्र स्नातक, साहित्य अकादेमी, नयी दिल्ली
17. हिंदी साहित्य : बीसवीं शताब्दी-नंददुलारे वाजपेयी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
18. छायावाद-नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, इलाहाबाद
19. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ- नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
20. साहित्य और इतिहास दृष्टि-मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
21. हिंदी साहित्य का इतिहास-विश्वनाथ त्रिपाठी, एन०सी०इ०आर०टी०. नयी दिल्ली
22. हिंदी गद्य : उद्भव और विकास- रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी


Co-ordinator &
Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol - 713340

23. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास-रामकुमार वर्मा, हिन्दुस्तानी एकेडमी, इलाहाबाद
24. हिंदी साहित्य का नया इतिहास-रामखेलावन पाण्डेय, अनुपम प्रकाशन, पटना
25. साहित्य का इतिहास दर्शन-नलिन विलोचन शर्मा, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना
26. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास-गणपतिचंद्र गुप्त, भारतेंदु भवन, चंडीगढ़
27. हिंदी साहित्य का समेकित इतिहास-सं० डॉ० नगेन्द्र. हिंदी माध्यम कार्यान्वय निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय
28. हिंदी साहित्य का इतिहास-सं० श्याम कश्यप, हिंदी माध्यम कार्यान्वय निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय
29. सगुण-निर्गुण : डॉ० आशा गुप्ता, साहित्य भंडार, इलाहाबाद
30. हिंदी कहानी का इतिहास-गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
31. हिंदी कहानी का इतिहास-गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
32. हिंदी साहित्य का वस्तुनिष्ठ इतिहास(दो भाग)- डॉ० कुसुम राय, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

FINAL COPY


03/05/19
Coordinator &
Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazimul University
Asansol - 713340

B.A. Program in Hindi CBCS (Semester –I)

अनिवार्य योग्यता सवर्धन पठ्यक्रम -1
COURSE TYPE : AECC-1 (Core)

COURSE CODE :

हिन्दी व्याकरण और संप्रेषण(MIL-1)

अंक विभाजन	
प्रश्न	अंक
5 लघ्वाकार	: 5x2=10
4 लघ्वाकार	: 4x5=20
1 वृहदाकार	: 1x10=10
पूर्णांक	: =40
आभ्यन्तरिक मूल्यांकन	: = 10

इकाई-1:

- काल, क्रिया, अव्यय एवं कारक का परिचय ।
- उपसर्ग, प्रत्यय, संधि तथा समास

इकाई-2 :

- शब्द शुद्धि, वाक्य शुद्धि, मुहावरे और लोकोक्तियाँ ।
- पर्यायवाची शब्द, विलोम शब्द
- अनेक शब्दों के लिए एक शब्द,
- पल्लवन और संक्षेपण ।

इकाई-3:

- संप्रेषण की अवधारणा और महत्त्व

Dr. Anurag Singh
 Coordinator &
 Assistant Professor
 Department of Hindi
 Kazi Nazrul University
 Asansol - 713340

- संप्रेषण के प्रकार


इकाई- 4 :

- अध्ययन, वाचन और चर्चा: प्रक्रिया और बोध
- साक्षात्कार, भाषण कला एवं रचनात्मक लेखन

संदर्भ ग्रंथ :

- 1- संप्रेषणपरक व्याकरण : सिद्धांत और स्वरूप – सुरेश कुमार
- 2- हिन्दी व्याकरण –कामता प्रसाद गुरु
- 3- हिन्दी व्याकरण –एन .सी .ई.आर. टी.
- 4- हिंदी व्याकरण शब्द और अर्थ—हरदेव बाहरी
- 5- रचनात्मक लेखन – सं. रमेश गौतम

FINAL COPY


Co-ordinator &
Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol - 713340


B.A. Program in Hindi CBCS (Semester –II)**COURSE TYPE : CC-3****COURSE CODE : BAPHINC201****मध्यकालीन हिन्दी कविता**

<u>अंक विभाजन</u>	
प्रश्न	अंक
5 लघ्वाकार	: 5x2=10
4 लघ्वाकार	: 4x5=20
1 वृहदाकार	: 1x10=10
पूर्णांक	: =40
आभ्यन्तरिक मूल्यांकन	: = 10

इकाई : 1 – कबीर

- 1 मोको कहां ढूँढें बंदे, मैं तो तेरे पास में (पद सं. 1)
- 2 संतन जात न पूछो निरगुनिया (पद सं. 2)
- 3 ऐसा लौ नहिं तैसा लौ (पद सं. 9)
- 4 मन ना रंगाए , रंगाए जोगी कपड़ा (पद सं. 66)
- 5 माया महा ठगिनी हम जानी (पद सं. 134)

पाठ्य पुस्तक – कबीर, हजारी प्रसाद द्विवेदी


 Coordinator &
 Assistant Professor
 Department of Hindi
Kazi Nazrul University
 Asansol - 713340

इकाई -2 सूरदास

1. सोभित कर नवनीत लिए (पद सं -19)
पाठ्य पुस्तक - सूर सुषमा , नंददुलारे वाजपेयी
2. अंखियां हरि दरसन की भूखी (पद सं -42)

3. हमारे हरि हारिल की लकरी (पद सं -52)
4. संदेशो देवकी सों कहियो (पद सं -375)
5. उधो ! मोही ब्रज बिसरत (पद सं -400)

पाठ्य पुस्तक -भ्रमरगीत सार -आ. रामचंद्र शुक्ल

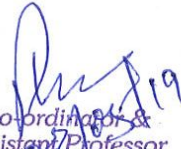
इकाई 3: तुलसीदास

1. ऐसी मूढ़ता या मन की। (पद सं -375)
2. अब लौ नसानी अब न नसैहों। (पद सं -375)
3. केसव !कहि ना जाई का कहिये (पद सं -111)
4. ऐसो को उदार जग माहीं। (पद सं -162)
5. कबहुंक हों यहि रहनि रहौंगों। (पद सं -172)

पाठ्य पुस्तक : विनय पत्रिका - तुलसीदास

इकाई - 4: बिहारी

- 1 मेरी भव बाधा हरौ राधा नागरि सोई (दोहा सं. 1)
- 2 नीकी दई अनाकनी फीकी परी गुहारि (दोहा सं. 11)
- 3 तो पर वारौं उरबसी सुनि राधिके सुजान (दोहा सं. 25)
- 4 मंगल बिंदु सुरंगु मुखु ससि केसरि आड़ गुरु (दोहा सं. 42)
- 5 तंत्री नाद कबित्त रस सरस राग रति रंग (दोहा सं. 94)



Co-ordinator &
Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol - 713340

- 6 या अनुरागी चित्त की गति समुझै नहिं कोइ (दोहा सं. 121)
7. जपमाला छापै तिलक सरै न एकौ कामु (दोहा सं. 141)
- 8 कनक कनक तैं सौ गुनी मादकता अधिकाई (दोहा सं. 192)
- 9 . स्वारथु सुकृतु न श्रम वृथा देखि विहंग विचार (दोहा सं. 300)
10. बतरस लालच लाल की मुरली धरी लुकाई (दोहा सं. 472)

पाठ्य पुस्तक - बिहारी रत्नाकर – जगन्नाथदास रत्नाकर

संदर्भ :

1. कबीर- हजारी प्रसाद द्विवेदी
2. कबीर : साहित्य की परख – परशुराम चतुर्वेदी
- 3 . महाकवि सूरदास – रामचंद्र शुक्ल
- 4 सूर और उनका साहित्य – हरवंशलाल शर्मा
- 5 गोस्वामी तुलसीदास – रामचंद्र शुक्ल
- 6 तुलसी काव्य मीमांसा – उदयभानु सिंह
- 7 बिहारी की वाग्विभूति – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
- 8 बिहारी – ओमप्रकाश


Coordinator &
Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol - 713340

B.A. Program in Hindi CBCS (Semester –II)**COURSE TYPE : AEC****COURSE CODE : MIL AECC -2 & AECC – 2 (Elective)**

<u>अंक विभाजन</u>	
प्रश्न	अंक
5 लघ्वाकार	: 5x2=10
4 लघ्वाकार	: 4x5=20
1 वृहदाकार	: 1x10=10
पूर्णांक	: =40
आभ्यन्तरिक मूल्यांकन	: = 10

इकाई 1-कविता

निराला –राजे ने अपनी रखवाली की (kavitakosh.org)

नागार्जुन -बार्ते (kavitakosh.org)

रघुवीर सहाय-आपकी हँसी (kavitakosh.org)

कात्यायनी – अपाराजिता (kavitakosh.org)

इकाई 2 –कहानी

प्रेमचंद-नशा,मानसरोवर, भाग -1

शिवमूर्ति- सिरि उपमा जोग (www.hindisamay.com)

इकाई 3 –निबंध


 Co-ordinator &
 Assistant Professor
 Department of Hindi
 Kazi Nazrul University
 Asansol - 713340

भारतेंदु –भारतवर्ष की उन्नति कैसे हो सकती है ? (www.hindisamay.com)

राहुल सांकृत्यायन –स्त्री- घुमक्कड़ (घुमक्कड़ शास्त्र)


इकाई 4 –व्यंग्य

हरिशंकर परसाई –भारत को चाहिये-जादूगर और साधु (वैष्णव की फिसलन - हरिशंकर परसाई)

ज्ञान चतुर्वेदी-मूर्खता में ही होशियारी है (www.hindisamay.com)

संदर्भ –

1. कवि निराला – नंददुलारे बाजपेयी
2. निराला की साहित्य साधना – रामविलास शर्मा
3. नागार्जुन का रचना संसार – विजय बहादुर सिंह
4. नागार्जुन का काव्य – अजय तिवारी
8. हिंदी कहानी का विकास – मधुरेश
5. समकालीन कहानी के रचनात्मक आशय – यदुनाथ सिंह
6. हिंदी गद्य की विविध विधाएँ – हरिमोहन
7. हिंदी की प्रमुख विधाएँ – बैजनाथ सिंहल


Dr. Anil Kumar
Coordinator &
Senior Professor
Department of Hindi
Kazi Nazimuddin University
Asansol, West Bengal

B.A. Program in Hindi CBCS (Semester –III)

COURSE TYPE : CC-5
COURSE CODE : BAPHINC301

आधुनिक हिंदी कविता

अंक विभाजन	
प्रश्न	अंक
5 लघ्वाकार	: 5x2=10
4 लघ्वाकार	: 4x5=20
1 वृहदाकार	: 1x10=10
पूर्णांक	: =40
आभ्यंतरिक मूल्यांकन	: = 10

इकाई-1. जयशंकर प्रसाद

पेशोला की प्रतिध्वनि, झरना, जलद- आह्वान, बीती विभावरी जागरी, अरुण यह मधुमय देश
हमारा, जगती की मंगलमयी उषा बन ।

इकाई-2 : सूर्यकांत त्रिपाठी निराला

जागो फिर एक बार, गर्म पकौड़ी, भिक्षुक, स्नेह निर्झर बह गया, संध्या सुंदरी, राजे ने रखवाली
की ।

इकाई-3: सुमित्रानंदन 'पंत'

आ: धरती कितना देती है, ग्राम श्री, स्त्री, द्रुत झरो, छोड़ द्रुमो की मूद छाया, प्रथम रश्मि ।

इकाई- 4: अज्ञेय


मैंने आहुति बन कर देखा, सांप, उड़ चल हारिल, कलगी बाजरे की, आंगन के पार द्वार खुले, नदी के द्वीप

[Signature]
 Assistant Professor
 Department of Hindi
 Kazi Nazrul University
 Kolkata - 700019

संदर्भ ग्रंथ:

1. अज्ञेय की काव्य-तितीर्षा : नन्दकिशोर आचार्य
2. कविता के नये प्रतिमान : नामवर सिंह
3. अज्ञेय : सं० विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
4. नागार्जुन का काव्य : अजय तिवारी
5. मुक्तिबोध की काव्यप्रक्रिया : अशोक चक्रधर
6. निराला की साहित्य साधना (भाग – 1,2,3) : रामविलास शर्मा
7. प्रसाद का काव्य : प्रेमशंकर
8. सुमित्रानंदन पंत : डॉ० नगेंद्र
9. दिनकर के काव्य में युग चेतना : डॉ० पन्ना

FINAL COPY


Coordinator &
Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol - 713340

B.A. Program in Hindi CBCS (Semester –III)**COURSE TYPE : SEC-1****COURSE CODE : BAPHINSEC301**हिंदी भाषा और संप्रेषण

<u>अंक विभाजन</u>	
प्रश्न	अंक
5 लघ्वाकार	: 5x2=10
4 लघ्वाकार	: 4x5=20
1 वृहदाकार	: 1x10=10
पूर्णांक	: =40
आभ्यंतरिक मूल्यांकन	: = 10

इकाई-1. सम्प्रेषण के मूल तत्व:सम्प्रेषण का अर्थ, सम्प्रेषण के विविध रूप , सम्प्रेषण का प्रयोजन, सम्प्रेषण की प्रक्रिया, सफल सम्प्रेषण, सफल सम्प्रेषण के अवरोध

इकाई-2 : उच्चरित और लिखित भाषा : उच्चरित भाषा की प्रकृति, लिखित भाषा की प्रकृति, उच्चरित और लिखित भाषा के भेद, उच्चरित और लिखित भाषा की विशेषताएँ, लिखित भाषा पर उच्चरित भाषा का प्रभाव

इकाई-3: आंशिक भाषा और सम्प्रेषण : हाव- भाव के प्रकार्य, हाव - भाव और भाषा में उसका स्थान , आंशिक भाषा शारीरिक प्रतिक्रियाएँ और स्थितियाँ , आंशिक सम्प्रेषण और भाषा


 Coordinator &
 Assistant Professor
 Department of Hindi
 Kazi Nazrul University
 Asansol - 713340

इकाई- 4: भाषिक कला के विभिन्न पक्ष : सम्प्रेषण का सशक्त माध्यम, भाषा के विभिन्न पक्ष, भाषा के उपयोग , भाषा का व्यवहारिक पक्ष

संदर्भ ग्रंथ :

1. भारतीय संस्कृति एवं प्रभावशाली सम्प्रेषण – डॉ0 लोकेश जैन
2. लोक प्रशासन प्रबंधन एवं प्रभावी सम्प्रेषण – डॉ0 गिरिवर सिंह राठौर
3. व्यवसायिक सम्प्रेषण – अनुपचंदेर भयानी
4. शिक्षा में सूचना एवं सम्प्रेषण प्रद्योगिकी – आर. एस. चौहान
5. हिंदी भाषा एवं सम्प्रेषण – डॉ0 नाना अग्रवाल
6. भाषा विज्ञान – भोलानाथ तिवारी
7. आधुनिक भाषा विज्ञान – देवेन्द्रनाथ शर्मा

FINAL COPY


Coordinator &
Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol - 713340

Kazi Nazrul University
Department of Hindi
Asansol - 713340

B.A. Program in Hindi CBCS (Semester –III)**COURSE TYPE : SEC-1****COURSE CODE : BAPHINSEC302****चलचित्र लेखन**

<u>अंक विभाजन</u>		
प्रश्न		अंक
5 लघ्वाकार	:	5x2=10
4 लघ्वाकार	:	4x5=20
1 वृहदाकार	:	1x10=10
पूर्णांक	:	=40
आभ्यन्तरिक मूल्यांकन	:	= 10

इकाई-1: भारतीय सिनेमा का इतिहास , हिंदी की आरम्भिक मूक और सवाक फिल्मों ।

इकाई-2 : विगत शताब्दी की लोकप्रिय हिंदी फिल्मों , लोकप्रिय फिल्मी गीत तथा प्रसिद्ध संवाद , प्रमुख निर्देशक एवं अभिनेता (दादा साहब पुरस्कार प्राप्त) ।

इकाई-3: हिंदी पटकथा लेखन (सिनेरियो) का क्रमिक विकास , संवाद लेखन प्रणाली या प्राविधि , हिंदी में निर्मित विज्ञापन फिल्मों (एड फिल्मों) ।


 Co-ordinator &
 Assistant Professor
 Department of Hindi
 Kazi Nazrul University
 Asansol - 713340

इकाई-4: हिंदी की विश्व व्याप्ति में फिल्मों की भूमिका , हिंदी की प्रमुख फिल्मों के आधार पर भाषिक संरचना का व्यावहारिक प्रशिक्षण- देवदास (तीनों निर्मितियां) तथा शोले

संदर्भ ग्रंथ--

1. नई तकनीक और सिनेमा : संभावनाएं और चुनौतियों
2. फिल्म निर्देशन : कुलदीप सिन्हा
3. हिंदी सिनेमा का इतिहास – मनमोहन चड्ढा
4. नया सिनेमा - ब्रजश्वर मदान
5. भारतीय सिने सिद्धांत- अनुपम ओझा
6. सिनेमा : कल, आज, कल- विनोद भारद्वाज
7. हिंदी सिनेमा के सौ वर्ष- प्रह्लाद अग्रवाल
8. सिनेमा का जादुई सफर – प्रताप सिंह

FINAL COPY


Co-ordinator &
Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol - 713340

B.A. Program in Hindi CBCS (Semester –IV)**COURSE TYPE : CC-7****COURSE CODE : BAPHINC401**हिंदी गद्य साहित्य

<u>अंक विभाजन</u>	
प्रश्न	अंक
5 लघ्वाकार	: 5x2=10
4 लघ्वाकार	: 4x5=20
1 वृहदाकार	: 1x10=10
पूर्णांक	: =40
आभ्यंतरिक मूल्यांकन	: = 10

इकाई-1. कहानी - 1. बेटों वाली विधवा --- प्रेमचंद
2. सदाचार का ताबीज --- हरिशंकर परसाई

इकाई-2 : उपन्यास - दौर --- ममता कालिया

इकाई-3: नाटक - अंधेर नगरी --- भारतेन्दु हरिश्चंद्र

इकाई -4: आत्मकथांश - जूठन (भाग -1), पृ. सं.— 11 से 49 (हमारा घर चंद्रभान तगा के घेर से सटा हुआ....सुरजन और मैं नौवीं कक्षा में एक साथ थे। दोनों का सेक्शन भी एक ही था।)


संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी कहानी : उद्भव और विकास – सुरेश सिन्हा


Co-ordinator &
Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazim University
Asansol - 713340

2. हिंदी उपन्यास :एक अंतर्यात्रा---रामदरश मिश्र
3. आधुनिकता और हिंदी उपन्यास---इंद्रनाथ मदान
4. नाटककार भारतेन्दु की रंग-परिकल्पना--- सम्पादक सत्येन्द्र कुमार तनेजा
5. दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र--- ओम प्रकाश वाल्मीकि

FINAL COPY


Co-ordinator &
Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol - 713340

B.A. Program in Hindi CBCS (Semester –IV)**COURSE TYPE : SEC-2****COURSE CODE : BAPHINSEC401****सम्भाषण कला**

अंक विभाजन	
प्रश्न	अंक
5 लघ्वाकार	: 5x2=10
4 लघ्वाकार	: 4x5=20
1 वृहदाकार	: 1x10=10
पूर्णांक	: =40
आभ्यन्तरिक मूल्यांकन	: = 10

इकाई-1: सम्भाषण कला

इकाई-2: सम्भाषण के महत्वपूर्ण सिद्धांत

इकाई- 3 :अच्छे वक्ता के गुण

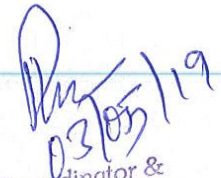
इकाई- 4:प्रमुख वक्ताओं की सम्भाषण कला

(क) नामवर सिंह

(ख) चित्रा मुद्गल

संदर्भ ग्रंथ :

- 1- भाषण कला - महेश शर्मा
- 2- भाषण और सम्भाषण की दिव्य क्षमता – पं० श्रीराम शर्मा आचार्य
- 3- आदर्श भाषण कला - चित्रभूषण श्रीवास्तव
- 4- अच्छी हिंदी सम्भाषण और लेखन - तेजपाल चौधरी


 Co-ordinator &
 Assistant Professor
 Department of Hindi
Kazi Nazrul University
 Asansol - 713340

B.A. Program in Hindi CBCS (Semester –V)**COURSE TYPE : DSE-1****COURSE CODE : BAPHINDSE501****(क) छायावादोत्तर हिंदी कविता**

<u>अंक विभाजन</u>	
प्रश्न	अंक
5 लघ्वाकार	: 5x2=10
4 लघ्वाकार	: 4x5=20
1 बृहदाकार	: 1x10=10
पूर्णांक	: =40
आभ्यंतरिक मूल्यांकन	: = 10

इकाई-1. अज्ञेय:कलगी बाजरे की , उड़ चल हारिल ।


इकाई-2. नागार्जुन: अकाल और उसके बाद, प्रेत का बयान ।

इकाई-3. रघुवीर सहाय:आपकी हँसी, किताब पढ़कर रोना ।

इकाई-4. केदार नाथ सिंह:दाने, पानी में धिरे हुए लोग ।

संदर्भ ग्रंथ

1. अज्ञेय और आधुनिक रचना की समस्या : रामस्वरूप चतुर्वेदी
2. हिन्दी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि : द्वारिका प्रसाद सक्सेना
3. शताब्दी के अंत में कविता : मुक्तेश्वरनाथ तिवारी
4. नागार्जुन प्रतिनिधि कविताएँ :सं. नामवर सिंह


Co-ordinator &
Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol - 713340

5. केदारनाथ सिंह प्रतिनिधि कविताएँ : सं. परमानंद श्रीवास्त्व
6. नागार्जुन का रचना संसार :विजय बहादुर सिंह
7. रघुवीर सहाय का कवि कर्म :सुरेश शर्मा
8. रघुवीर सहाय का काव्य :एक अनुशीलन -मीनाक्षी
9. रचनाओं के बहाने:एक संस्मरण - मनोहर श्याम जोशी
10. समकालीन हिंदी कविता : विश्वनाथप्रसाद तिवारी
11. कविता का देशकाल ; मुक्तेश्वरनाथ तिवारी
12. कविता का समकालीन प्रमेय :अरुण होता

FINAL COPY


Co-ordinator &
Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol - 713340

B.A. Program in Hindi CBCS (Semester –V)**COURSE TYPE : DSE-2****COURSE CODE : BAPHINDSE502****(ख)कबीर**

<u>अंक विभाजन</u>	
प्रश्न	अंक
5 लघ्वाकार	: 5x2=10
4 लघ्वाकार	: 4x5=20
1 वृहदाकार	: 1x10=10
पूर्णांक	: =40
आभ्यंतरिक मूल्यांकन	: = 10

इकाई-1. कबीर :जीवन और साहित्य

इकाई-2. कबीर की भक्ति ।


इकाई-3. कबीर की क्रांतिदर्शिता ।

इकाई-4. कबीर (कबीर ग्रंथावलि-श्यामसुंदर दास से दो पद)

पद्य सं-2तेरा झूठा मीठा लागा , तार्थे साचे सूं मन भागा, 4 -पाँडे कौन कुमति तोहि लागी, तूँ राम न जपहि अभागी ।

संदर्भ ग्रंथ

- 1.कबीर साहित्य की परख : परशुराम चतुर्वेदी
2. हिन्दी काव्य की निर्गुण धारा : पीताम्बरदत्त बड़थवाल
3. कबीर : हजारीप्रसाद द्विवेदी
- 4.अकथ काहानी प्रेम की:पुरुशोत्तम अग्रवाल


 Coordinator &
 Assistant Professor
 Department of Hindi
 Kazi Nazrul University
 Asansol - 713340

B.A. Program in Hindi CBCS (Semester –V)**COURSE TYPE : GE-1****COURSE CODE : BAPHINGE501****(क) रेखाचित्र तथा संस्मरण**

अंक विभाजन	
प्रश्न	अंक
5 लघ्वाकार	: 5x2=10
4 लघ्वाकार	: 4x5=20
1 वृहदाकार	: 1x10=10
पूर्णांक	: =40
आभ्यंतरिक मूल्यांकन	: = 10

इकाई 1-रेखाचित्र की अवधारणा , स्वरूप और विशेषताएँ।


इकाई-2. महादेवी वर्मा:अलोपी , घीसा।

इकाई-3. संस्मरण की अवधारणा , स्वरूप और विशेषताएँ।

इकाई-4. काशीनाथ सिंह:दंत कथाओं में त्रिलोचन , होल्कर हाउस में द्वेवेदी जी।


संदर्भ ग्रंथ

1. हिन्दी की प्रमुख विधाएँ : बैजनाथ सिंहल
2. हिन्दी के रेखाचित्र : मकखनलाल शर्मा
- 3.हिंदी गद्य : विन्यास और विकास : रामस्वरूप चतुर्वेदी
4. स्मृति की रेखाएं :. महादेवी वर्मा
- 5.सम्बोधन (काशीनाथ सिंह विशेषांक-कमर मेवारी)


 Co-ordinator &
 Assistant Professor
 Department of Hindi
 Kazi Nazrul University
 Asansol - 713340

6.बनास जन (काशीनाथ सिंह विशेषांक- सं.पल्लव)

FINAL COPY


Co-ordinator &
Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol - 713340

काशीनाथ सिंह विशेषांक- सं.पल्लव

B.A. Program in Hindi CBCS (Semester –V)**COURSE TYPE : GE-1****COURSE CODE : BAPHINGE502****(ख) प्रयोजनमूलक हिंदी****(ग)**

<u>अंक विभाजन</u>	
प्रश्न	अंक
5 लघ्वाकार	: 5x2=10
4 लघ्वाकार	: 4x5=20
1 वृहदाकार	: 1x10=10
पूर्णांक	: =40
आभ्यंतरिक मूल्यांकन	: = 10

इकाई-1 : प्रयोजनमूलक हिंदी का अर्थ : उपयोगिता और प्रयोग क्षेत्र

इकाई-2: प्रशासनिक पत्राचार : सरकारी पत्र , अर्द्ध-सरकारी पत्र, कार्यालय ज्ञापन , अनुस्मारक , निविदा, परिपत्र , अधिसूचना आदि ।

इकाई-3: कार्यलयी हिंदी में अनुवाद की भूमिका ।

इकाई- 4 : कार्यलयी अनुवाद की समस्याएँ एवं चुनौतियाँ ।

संदर्भ ग्रंथ :

1. प्रयोजनमूलक हिंदी –विनोद गोदरे
2. हिंदी पत्रकारित और जनसंचार-ठाकुरदत्त आलोक
3. प्रयोजनमूलक हिंदी सिद्धांत और प्रयोग-दंगल झाल्टे
4. राजभाषा हिंदी-भोलानाथ तिवारी

Rn
03/05/19
Co-ordinator &
Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol - 713340

B.A. Program in Hindi CBCS (Semester –V)**COURSE TYPE : SEC-3****COURSE CODE : BAPHINSEC501****(क) सर्जनात्मक लेखन के विविध क्षेत्र**

अंक विभाजन	
प्रश्न	अंक
5 लघ्वाकार	: 5x2=10
4 लघ्वाकार	: 4x5=20
1 वृहदाकार	: 1x10=10
पूर्णांक	: =40
आभ्यन्तरिक मूल्यांकन	: = 10

इकाई-1. सर्जनात्मक लेखन की अवधारणा , स्वरूप और सिद्धांत ।

(क)भाव एवं विचार की रचना में रूपांतरण की प्रक्रिया- गद्य, पद्य में ।

इकाई-2. सर्जनात्मक लेखन:भाषा संदर्भ


(क) अनौपचारिक-औपचारिक,मौखिक-लिखित,क्षेत्रिय .

इकाई-3. कविता और कथा साहित्य की आधारभूत संरचनाओं का अध्ययन ।

इकाई-4. कथेतर साहित्य एवं अन्य विधाओं का अध्ययन ।

संदर्भ ग्रंथ

- 1 रचनात्मक लेखन :- सं. रमेश गौतम , प्रभात रंजन
- 2 आधुनिक हिंदी कविता में बिम्ब विधान—केदारनाथ सिंह
- 3 कविता रचना प्रक्रिया :- कुमार विमल
- 4 हिंदी कहानी का शैली विज्ञान :- बैकुंठनाथ


Co-ordinator &
Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol - 713340

B.A. Program in Hindi CBCS (Semester –V)**COURSE TYPE : SEC-3****COURSE CODE : BAPHINSEC502****(ख) अनुवाद विज्ञान**

<u>अंक विभाजन</u>	
प्रश्न	अंक
5 लघ्वाकार	: 5x2=10
4 लघ्वाकार	: 4x5=20
1 बृहदाकार	: 1x10=10
पूर्णांक	: =40
आभ्यन्तरिक मूल्यांकन	: = 10

इकाई-1. अनुवाद का अर्थ, परिभाषा ।

इकाई-2. अनुवाद का स्वरूप और क्षेत्र ।

इकाई-3. अनुवाद : प्रकृति और प्रकार ।

इकाई-4. अनुवाद :सिमाएं और महत्व .

संदर्भ ग्रंथ

1. अनुवाद विज्ञान सिद्धांत और अनुप्रयोग – सं. डां नगेंद्र
2. अनुवाद सिद्धांत की रूपरेखा – कुमार सुरेश
3. अनुवाद विविध आयाम – मा. गो. चतुर्वेदी, कृष्ण कुमार गोस्वमी
4. अनुवाद कला कुछ विचार – आनंद प्रकाश खेमाज
5. अनुवाद विज्ञान – भोलानाथ तिवारी
6. अनुवाद विज्ञान सिद्धांत और प्रविधि- भोलानाथ तिवारी
7. अनुवाद विज्ञान की भूमिका - कृष्ण कुमार गोस्वमी


 Associate Professor &
 Assistant Professor
 Department of Hindi
Kazi Nazrul University
 Asansol - 713340

B.A. Program in Hindi CBCS (Semester –VI)**COURSE TYPE : DSE-3****COURSE CODE : BAPHINDSE601****(क) आधुनिक भारतीय कविता**

अंक विभाजन	
प्रश्न	अंक
5 लघ्वाकार	: 5x2=10
4 लघ्वाकार	: 4x5=20
1 वृहदाकार	: 1x10=10
पूर्णांक	: =40
आभ्यंतरिक मूल्यांकन	: = 10

इकाई-1. बांग्ला : रवींद्रनाथ ठाकुर – प्राण (अनूदित) । काजी नज़रुल इस्लाम – अगर तुम राधा होते (अनूदित) ।


इकाई-2. उडिया : सच्चिदानंद राउतराय – पहचानपत्र (अनूदित) । रमाकांत रथ – श्री राधा (अनूदित) ।

इकाई-3. उर्दू : मिर्जा गालिब – कोई उम्मीद वर नजर नहीं आती(अनूदित) । फ़िराक़ गोरखपुरी – थरथरी सी है आस्मानों में । जोर कुछ तो है नातवानों में ॥ (अनूदित)

इकाई-4. पंजाबी : पाश – सबसे खतरनाक होता है सपनों का मर जाना (अनूदित) । अमृता प्रीतम – धूप का टुकड़ा (अनूदित) ।

संदर्भ ग्रंथ

1. बीसवीं सदी की ओड़िया कविता यात्रा : सं. शंकर लाल पुरोहित
2. रवींद्र रचना संचयन : सं. असित कुमार बंधोपाध्याय
3. गालिब – अलि सरदार जाफरी
4. बीच का रास्ता नहीं होता – सं. चमनलाल
5. फ़िराक़ और उनकी शायरी – सं. प्रकाश पंडित


 Co-ordinator &
 Assistant Professor
 Department of Hindi
 Kazi Nazrul University
 Asansol - 713340

B.A. Program in Hindi CBCS (Semester –VI)**COURSE TYPE : DSE-4****COURSE CODE : BAPHINDSE602****सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'**

<u>अंक विभाजन</u>	
प्रश्न	अंक
5 लघ्वाकार	: 5x2=10
4 लघ्वाकार	: 4x5=20
1 वृहदाकार	: 1x10=10
पूर्णांक	: =40
आभ्यन्तरिक मूल्यांकन	: = 10

इकाई-1. निराला : जीवन और साहित्य ।


इकाई-2. निराला : काव्यात्मक प्रवृत्ति ।

इकाई-3. निराला : प्रातिभा का विकास, स्वदेश प्रेम (निबंध) ।

इकाई-4. . निराला : स्नेह निर्झर बह गया है, पत्रोत्कंठित जीवन का विष बुझा हुआ है (काव्य) ।

संदर्भ ग्रंथ

1. हिन्दी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि : द्वारिका प्रसाद सक्सेना
2. निराला : आत्महंता आस्था :-- दूधनाथ सिंह
3. निराला की साहित्य साधना :-- रामविलास शर्मा
4. निराला :-- परमानंद श्रीवास्तव
5. निराला रचनावली :- सं. नंदकिशोर नवल


 Assistant Professor
 Department of Hindi
 Kazi Nazrul University
 Asansol - 713340

B.A. Program in Hindi CBCS (Semester –VI)**COURSE TYPE : GE-2****COURSE CODE : BAPHINGE601****(क) हिंदी सिनेमा**

अंक विभाजन	
प्रश्न	अंक
5 लघ्वाकार	: 5x2=10
4 लघ्वाकार	: 4x5=20
1 बृहदाकार	: 1x10=10
पूर्णांक	: =40
आभ्यन्तरिक मूल्यांकन	: = 10

इकाई-1. हिंदी सिनेमा का संक्षिप्त इतिहास ।

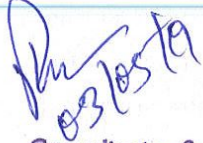
इकाई-2. . हिंदी सिनेमा और समाज का अंतर्संबंध ।

इकाई-3. फिल्म समीक्षा : मदर इंडिया, तीसरी कसम ।

इकाई-4. . हिंदी सिनेमा : आज की भाषा ।

संदर्भ ग्रंथ

- 1.हिंदी सिनेमा का इतिहास : मनमोहन चड्ढा
- 2.हिंदी सिनेमा के सौ वर्ष : प्रकाशन विभाग
- 3.हिंदी सिनेमा के सौ वर्ष : प्रहलाद अग्रवाल
4. सिनेमा आज और कल : विनोद भारद्वाज
- 5.बहुवचन(हिंदी सिनेमा विशेषांक)-सं-अशोक मिश्र


 Co-ordinator &
 Assistant Professor
 Department of Hindi
 Kazi Nazrul University
 Asansol - 713340

B.A. Program in Hindi CBCS (Semester –VI)**COURSE TYPE : GE-2****COURSE CODE : BAPHINGE602****(ख) कम्प्यूटर और हिंदी**

<u>अंक विभाजन</u>	
प्रश्न	अंक
5 लघ्वाकार	: 5x2=10
4 लघ्वाकार	: 4x5=20
1 वृहदाकार	: 1x10=10
पूर्णांक	: =40
आभ्यंतरिक मूल्यांकन	: = 10

इकाई-1. कम्प्यूटर : उद्भव और विकास ।

इकाई-2. कम्प्यूटर और हिंदी : उपयोगिता , उपलब्धियाँ और चुनौतियाँ ।

इकाई-3. कम्प्यूटर और हिंदी : पत्रकारिता , प्रकाशन के नए आयाम ।

इकाई-4. कम्प्यूटर और हिंदी : आनेवाले समय की आवश्यकता ।

संदर्भ ग्रंथ

- 1.मीडिया समग्र 11 खंड—जगदीश्वर चतुर्वेदी
- 2.इंटरनेट विज्ञान—नीति मेहता
- 3.जनसम्पर्क स्वरूप और सिद्धांत—डॉ. राजेंद्र प्रसाद
- 4.मीडिया लेखन : डॉ. यू. सी. गुप्ता


 Co-ordinator &
 Assistant Professor
 Department of Hindi
Kazi Nazrul University
 Asansol - 713340

B.A. Program in Hindi CBCS (Semester –VI)**COURSE TYPE : SEC-4****COURSE CODE : BAPHINSEC601****(क) भाषा शिक्षण**

<u>अंक विभाजन</u>	
प्रश्न	अंक
5 लघ्वाकार	: 5x2=10
4 लघ्वाकार	: 4x5=20
1 वृहदाकार	: 1x10=10
पूर्णांक	: =40
आभ्यन्तरिक मूल्यांकन	: = 10

इकाई-1. भाषा शिक्षण के सामान्य सिद्धांत ।


इकाई-2. भाषा शिक्षण की विधियाँ ।

इकाई-3. हिंदी भाषा पाठ्य पुस्तक : चयन और उपयोगिता ।

इकाई-4. व्याकरण शिक्षण का उद्देश्य ।

संदर्भ ग्रंथ

1. हिंदी भाषा का समाजशास्त्र:- रवींद्रनाथ श्रीवास्तव ।
2. मीडिया और बाजारवाद:- सं.-रामशरण जोशी ।
3. शिक्षा के समाजशास्त्रीय आधार:- एन.आर. स्वरूप सक्सेना
4. हिंदी शिक्षण :- बी० एल० शर्मा एवं बी०एम० सक्सेना
5. हिंदी शिक्षण :-रामसकल पाण्डेय ।
6. शिक्षण की तकनीकी:- एन.आर. स्वरूप सक्सेना, एम.सी. ओबराय
7. शिक्षा सिद्धांत :- एन.आर. स्वरूप सक्सेना


 Co-ordinator &
 Assistant Professor
 Department of Hindi
 Kazi Nazrul University
 Asansol - 713340

B.A. Program in Hindi CBCS (Semester –VI)**COURSE TYPE : SEC-4****COURSE CODE : BAPHINSEC602****(ख) समाचार संकलन और लेखन**

<u>अंक विभाजन</u>	
प्रश्न	अंक
5 लघ्वाकार	: 5x2=10
4 लघ्वाकार	: 4x5=20
1 वृहदाकार	: 1x10=10
पूर्णांक	: =40
आभ्यंतरिक मूल्यांकन	: = 10

इकाई-1: समाचार की शुरूआत ,स्वरूप और विशेषताएँ।

इकाई-2 : समाचार लेखन : स्वरूप, विशेषताएँ और प्रकार।


इकाई-3 : समाचार लेखन :परम्परा और आधुनिकता।

(प्रिंट पत्रकारिता से आधुनिक ई-पत्रकारिता तक)

इकाई :4 : समाचार संकलन और लेखन : नएपन की निरंतरता और चुनौतियाँ।

संदर्भ :

1. उत्तर आधुनिक मीडिया विमर्श :- सुधीश पचौरी
2. वेब पत्रकारिता : नया मीडिया नए रुझान:- शालिनी जोशी , शिवप्रसाद जोशी
3. मीडिया समग्र :- जगदीश्वर चतुर्वेदी



 Co-ordinator &
 Assistant Professor
 Department of Hindi
Kazi Nazrul University
 Asansol - 713340

4. समाचार संपादन :- कमल दीक्षित , महेश दर्पण

FINAL COPY


815719

Prof. (Dr.) Vijay Kumar Bharty
Dean, Faculty of Arts
Kazi Nazrul University
Asansol - 713340, W.B.



Secretary
College Councils
Kazi Nazrul University
Asansol- 713340



Coordinator &
Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol - 713340

